RNI. MPHIN/2016/68439

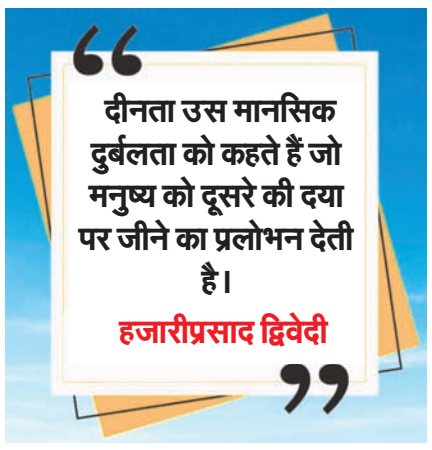

दैनिक भेल पॉवर

पेज 4

वर्ष- 10 | अंक-70 | भोपाल, गुरूवार 7 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिया आश्वासन

पटना/दिल्ली। राज्यसभा सांसद डॉ. भीम सिंह ने बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर गयाजी से सूरत के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने और उधना-दानापुर एक्सप्रेस को प्रतिदिन संचालित करने की माँग की। इसके साथ ही उन्होंने गया से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के संचालन की भी पुरजोर वकालत की। डॉ. सिंह ने रेल मंत्री को सौंपे गए पत्र में कहा कि गुजरात के सूरत शहर में पाँच लाख से अधिक प्रवासी बिहारी नागरिक रहते हैं जो पर्व-त्योहारों और अन्य अवसरों पर बिहार लौटना चाहते हैं, लेकिन गयाजी से सूरत के लिए कोई सीधी ट्रेन न होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि गयाजी हिन्दुओं का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहाँ पितृपक्ष मेला के दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु पिंडदान करने पहुँचते हैं।

हमीरपुर डिवीजन को अब तक 211 करोड़ का नुकसान

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान हो रही भारी बारिश से जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। राज्य के निचले क्षेत्रों में बारिश के कारण नुकसान का सिलसिला जारी है। खासतौर पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के हमीरपुर डिवीजन को अब तक 211 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। यह जानकारी विभाग के मुख्य अभियंता विजय चौधरी ने दी। मुख्य अभियंता चौधरी ने बताया कि हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना जिलों में सड़कों और पुलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा नुकसान ऊना जिले को हुआ है, जहां बारिश और भूस्खलन के कारण 70 करोड़ रुपए से अधिक की क्षति का आकलन हुआ है। यहां चार बड़े पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। चौधरी ने बताया कि हमीरपुर जिला की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 11.48 रुपए करोड़ का नुकसान हुआ है, जबकि बिलासपुर जिले में अब तक 42 करोड़ रुपए की क्षति का अनुमान है। धर्मपुर क्षेत्र भी बारिश से खासा प्रभावित हुआ है, जहां कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

उत्तरकाशी में फंसे महाराष्ट्र के 24 नागरिक

पुणे। उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना के बाद महाराष्ट्र के 24 नागरिक फंस गए हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने चिंता जाहिर की। साथ ही उन्होंने उत्तराखंड में फंसे नागरिकों के नाम के साथ मोबाइल नंबर भी जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीते 24 घंटों से उनसे संपर्क न होने के कारण परिवार के लोग काफी चिंतित हैं। सांसद सुले ने पोस्ट कर लिखा, मंचर क्षेत्र के करीब 24 नागरिक उत्तराखंड में हाल ही में हुए बादल फटने की घटना के कारण फंसे हुए हैं। पिछले 24 घंटों से उनसे संपर्क न होने के कारण उनके परिवार के लोग काफी चिंतित हैं। सुले ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मदद की अपील की। उन्होंने कहा, धामी और उत्तराखंड मुख्यमंत्री कार्यालय से अनुरोध है कि कृपया हस्तक्षेप करें और उन्हें जल्द से जल्द बचाने में मदद करें। इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराकाशी में बादल फटने की घटना को लेकर राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि अगर किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति पैदा हो।

प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर

करीब 15 लाख लोगों को नावों का सहारा

- करीब 2500 गाँव बाढ़ से घिरे, 200 गाँवों में बिजली आपूर्ति ठप

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में भीषण बाढ़ आ गई है। प्रशासन के अनुसार, करीब 2500 गाँव बाढ़ से घिरे हुए हैं और करीब 15 लाख लोगों को नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। गंगापार और यमुनापार के 2500 गाँव और शहर के 10 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बिजली उपकेंद्रों में पानी भरने से 200 गाँवों में बिजली आपूर्ति ठप है। बाढ़ की वजह से करीब 3 लाख प्रतियोगी छात्र पलायन कर गए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, और क्यूआरटी की टीमें बचाव अभियान चला रही हैं। शहर के छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, दारागंज जैसे 10 से ज्यादा मुहल्लों में नावों से राहत पहुँचाई जा रही है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए राहत शिविरों में लगभग 10,000 लोग रह रहे हैं।

जन-जन को जोड़ें आजादी पर्व से

स्वाधीनता दिवस हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का सभी जिलों में होगा लाईव प्रसारण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के आयोजन से जुड़ी तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में तय किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का सभी जिलों में होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाईव प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता के नाम

संदेश का लाईव प्रसारण पूरा होने के बाद जिलास्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपने संबोधन में जिले में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जिले में आए निवेश, कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में हुए विकास और अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों के बारे में भी नागरिकों को जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पूरे हर्ष उल्लास, गरिमा और जन सहभागिता के साथ हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नरसिंहगढ़ से आज प्रदेश की 1.26 करोड से अधिक लाडली बहनों को देंगे रक्षाबंधन का उपहार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आकांक्षा हाट का करेंगे शुभारंभ

नरसिंहगढ़। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नरसिंहगढ़ से प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाडली बहनों को रक्षाबंधन का उपहार देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लाड़ली बहना योजना अंतर्गत प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख लाडली बहनों को 1250 रुपए व रक्षाबंधन के शगुन के रूप में प्रत्येक बहन को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि कुल 1800 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से बहनों के खातों में आंतरित करेंगे। राजगढ़ जिले की 2 लाख 95 हजार बहनों को 44 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आंतरित करेंगे।

गंगा के तेज बहाव में पीपा पुल टूटकर बहा

वाराणसी। वाराणसी और मिर्जापुर के बीच गंगा नदी पर बने पीपा पुल का एक हिस्सा टूटकर वाराणसी की ओर बह गया, जिससे वाराणसी प्रशासन, पुलिस और रेलवे में हड़कंप मच गया। गंगा के तेज बहाव में बहता हुआ यह पीपा पुल वाराणसी के पुलों से टकरा सकता था, जिसके चलते बड़े हादसे का खतरा था। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर, वाराणसी में गंगा पर बने सभी पुलों विश्वसुंदरी पुल, सामनेघाट पुल, मालवीय पुल, राजघाट और रिंग रोड पर वाहनों की आवाजाही तुरंत रोक दी गई। इससे पुलों के दोनों तरफ भारी जाम लग गया। लोग जाम में घंटों फंसे रहे और उन्हें पता नहीं था कि गाड़ियों को क्यों रोका गया है, जिससे भ्रम और अफवाहें फैलने लगीं। इसी दौरान, रेलवे को भी सूचना दी गई, क्योंकि बहता हुआ पीपा मालवीय पुल (राजघाट) के पास पहुंच चुका था, जिस पर से ट्रेनें गुजरती हैं। रेलवे ने एहतियात के तौर पर कई ट्रेनों जैसे नीलांचल, हिमगिरि और गंगा सतलज को वाराणसी के विभिन्न स्टेशनों पर रोक दिया।

पीएम मोदी जाएंगे चीन, शंघाई समिट में लेंगे हिस्सा

गलवान संघर्ष के बाद पहली चीन यात्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में एक अहम कूटनीतिक यात्रा पर निकलेंगे, जिसके तहत वे जापान और चीन का दौरा करेंगे। जापान में भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद, पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी की यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह गलवान घाटी संघर्ष (2020) के बाद पहली चीन यात्रा होगी। ऐसे समय में जब वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं, प्रधानमंत्री की यह भागीदारी क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को और मजबूत कर सकती है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान रवाना होंगे, जहां वे जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

इस बैठक में रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर जोर दिया जाएगा। भारत और जापान, दोनों इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए करीबी सहयोगी माने जाते हैं। एससीओ समिट में पीएम मोदी की उपस्थिति को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार सहयोग और बहुपक्षीय साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत लगातार एससीओ मंच पर आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाता रहा है।

ब्रिक्स और वैश्विक दबावों के बीच अहम दौरा

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को रूस से तेल खरीदने और डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने को लेकर निशाने पर लिया है। ऐसे में पीएम मोदी की भागीदारी से भारत की रणनीतिक स्थिति स्पष्ट होगी, कि वह वैश्विक दबावों के बीच अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को कैसे संतुलित करता है। इस प्रकार पीएम मोदी की यह यात्रा केवल एक कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति के नए संतुलन की झलक भी है।

इधर डोभाल पहुंच रहे रुस, उधर से ट्रंप के दूत ने भी पकड़ा मास्को का विमान

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल का रूस दौरा तब हो रहा है जब अमेरिका और भारत के बीच कई मुद्दों पर तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने और मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने भारत पर शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की धमकी भी दी है। इन घटनाक्रमों के बीच डोभाल की मॉस्को यात्रा को सिर्फ एक सामान्य मुलाकात नहीं, बल्कि एक रणनीतिक और राजनीतिक कदम है। ट्रंप ने पोस्ट में कहा है कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया, तब 24 घंटे के अंदर भारतीय सामानों पर आयात शुल्क कई गुना बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से

सस्ता तेल खरीदकर उस तेल को पश्चिमी देशों को बेच रहा है। इसी बीच, अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी रूस जा रहे हैं। उनका यह दौरा तब हो रहा है जब अमेरिका रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर कड़े प्रतिबंध लगा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने विटकॉफ की यात्रा की पुष्टि की है, लेकिन एजेंडे का खुलासा नहीं किया है। इस दोहरी कूटनीति से स्थिति और जटिल हो गई है, जहां एक तरफ अमेरिका भारत पर दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी ओर खुद रूस के साथ संपर्क स्थापित कर रहा है। भारतीय जेम्स बॉड डोभाल का दौरा दिखाता है कि भारत अपनी विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को किसी भी बाहरी दबाव में आकर नहीं बदलेगा।

भारत की प्रतिक्रिया

ट्रंप की धमकी पर भारत के विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया दी। भारत ने यह भी साफ किया कि उसका तेल आयात उसके घरेलू हितों और बाजार की स्थिरता से जुड़ा है, और यह भी याद दिलाया कि अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश भी रूस के साथ व्यापारिक संबंध रखते हैं।

एसआईआर पर संसद में हो बहस

मांग को लेकर विपक्ष अड़ा

- बिहार की मतदाता सूची में गड़बड़ी, लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली। संसद के चालू मानसून सत्र में बिहार की मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) का मुद्दा लगातार जोर पकड़े हुए है। विपक्षी दलों ने सरकार पर लोकतंत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए संसद में इस विषय पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि मताधिकार से छेड़छाड़ किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। लोकसभा

सांसद और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हर कोई अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। लेकिन जब यह अधिकार ही छीन लिया जाए, तो फिर हम अपनी आवाज कहां उठाएं? वहीं सीपीआई के राज्यसभा सांसद पी. संतोष कुमार ने दावा किया, कि भाजपा और उसके तथाकथित सहयोगियों को छोड़कर सभी राजनीतिक दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं।

मानसून सत्र का 13वां दिन भी हंगामें की भेंट चढ़ा

संसद कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद मानसून सत्र के आज 13वें दिन बुधवार को हंगामें के चलते राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले हंगामें के बीच ही मर्चेंट शिपिंग बिल को लोकसभा में पेश कर पास करवा लिया गया। लोकसभा में बुधवार को पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने मर्चेंट शिपिंग बिल, 2024 पेश किया। इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा, इसी बीच बिल को पास करा लिया गया। इससे पहले सुबह जैसे ही दोनों सदन शुरू हुए विपक्ष ने बिहार

वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामें के चलते दोनों ही सदनों की कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। बीते दिन राज्यसभा में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया।

उत्तरकाशी के बाद अब हिमाचल में फटा बादल

कैलाश मानसरोवर यात्रा रोकी, 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

किन्नौर। उत्तरकाशी में तबाही के बाद अब हिमाचल प्रदेश में बुधवार को किन्नौर जिले के तंगलिंग क्षेत्र में भी बादल फट गए और यहां भी बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। इसका एक भयावह वीडियो सामने आया है जिसमें पहाड़ से चट्टानें और मलबा तेजी से बहते हुए सड़क पर गिरता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आपदा का सबसे बड़ा असर कैलाश मानसरोवर यात्रा रूट पर पड़ा है। बाढ़ से दो पुल बह गए और बाकी मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके चलते यात्रा को रोक दिया गया है। कई श्रद्धालु मार्ग में फंसे हैं। भारत-तिब्बत सीमा

पुलिस की टीम ने जिपलाइन के जरिए 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। राहत कार्य जारी है। इस दौरान किन्नौर के रिब्बा गांव के पास रालडांग खड्ड में भी बादल फटने की खबर आई है। इसके चलते नेशनल हाईवे-5 पर करीब 150 मीटर तक कीचड़ और बड़े पत्थर जम गए हैं, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर मंगलवार रात को लैंडस्लाइड हुई, जिससे मार्ग बाधित हुआ है। 500 से ज्यादा सड़कों पर यातायात ठप हो गया है। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बादल फटने की घटनाएं हिमाचल तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड के धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ हाईवे अवरुद्ध हो गया है।

भारतजेन एआई जून 2026 तक सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं को करेगा सपोर्ट

नई दिल्ली। 2026 तक भारतजेन नामक एक सरकारी एआई पहल का लक्ष्य सभी 22 भारतीय अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करना है। यह केंद्र की मोदी सरकार की एक व्यापक रणनीति है जिसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं और सामाजिक संदर्भों के लिए उपयुक्त संप्रभु आधारभूत एआई मॉडल बनाना है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में इसकी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि भारतजेन अभी नौ भारतीय भाषाओं (हिंदी, मराठी, तमिल, मलयालम, बंगाली, पंजाबी, गुजराती, तेलुगु और कन्नड़) का समर्थन करता है। लेकिन दिसंबर 2025 तक यह असमिया, मैथिली, नेपाली, उड़िया, संस्कृत, सिंधी और अन्य भाषाओं को मिलाकर 15 भाषाओं तक अपनी कवरेज का विस्तार करेगा। हमारा लक्ष्य जून 2026 तक सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं को कवर करना है। भारतजेन भारत की पहली सरकार समर्थित एआई पहल है जो टेक्स्ट, स्पीच और विजन-लैंग्वेज सिस्टम पर काम करती है। इसने कृषि, शासन और रक्षा क्षेत्रों के लिए एप्लिकेशन विकसित किए हैं और पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू कर दिए हैं।

उत्तराखंड | एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं

धराली हादसा: एक शव बरामद, 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता, रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन जारी

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन के दौरान एक डेडबॉडी बरामद की गई। उसकी पहचान की जा रही है। 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। मंगलवार से लेकर अभी तक 150 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर बैठक भी की।

हिमालय की दरार पर बसा है धराली, 10 साल में तीसरी बार तबाह हुआ धराली गांव में 1864, 2013 और 2014 में भी पहाड़ पर बादल फटे थे। इससे खीर नाले ने तबाही मचाई। भूगर्भ वैज्ञानिकों ने तीनों ही आपदाओं के बाद धराली गांव को कहीं और बसाने की सलाह राज्य सरकार को दी। यह भी बताया कि आपदा के लिहाज से धराली टाइम बम पर बैठा है, लेकिन गांव को शिफ्ट नहीं किया गया। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती बताते हैं कि धराली ट्रांस हिमालय (4 हजार मी. से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट में है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। ये भूकंप का अति संवेदनशील जोन भी है। जिस पहाड़ से खीर गंगा नदी आती है, वहां 6 हजार मी. ऊंचा है, जब भी वहां से सैलाब आता है, धराली को तहस-नहस कर देता है। करीब 6 महीने पहले पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर खीर नदी में गिर रहा था, लेकिन ये अटक गया। संभवतः इस बार वहीं हिस्सा टूटकर नीचे आया है। 1500 साल पुराना कल्प केदार मंदिर भी ध्वस्त आपदा में धराली में स्थित प्राचीन कल्प केदार महादेव मंदिर भी मलबे में दफन हो गया।

मोहाली में फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट, 2 की मौत और 4 लोग घायल

मोहाली। पंजाब में मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है, इसमें 2 लोगों की मौत हुई है। जबकि, 4 लोग घायल हुए हैं। ब्लास्ट के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें हिल गईं और फैक्ट्री की छत को भी काफी नुकसान पहुंचा। सिलेंडर के टुकड़े भी 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे मिले। फिलहाल, ब्लास्ट के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस व प्रशासन की टीमें कारण का पता लगाने में जुटी है। मृतकों की पहचान आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 25 साल थी और कंबाला के रहने वाले थे। सीएम भगवंत मान ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़ा हर अपडेट अधिकारियों से ले रहे हैं। जिस जगह पर धमाका हुआ है, वहां ऑक्सीजन प्लांट है। वहां से ट्राइसिटी सहित पूरे पंजाब के अस्पतालों में सिलेंडरों की सप्लाई होता है। पता चला है कि यहां सिलेंडर लोड किए जा रहे थे। तभी अचानक सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इस दौरान करीब 6 लोग चपेट में आए। सूचना मिलते ही मोहाली के एसएसपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद सारे सिलेंडर हटाए गए। यह धमाका इतना खतरनाक था कि मारे गए लोगों के चिथड़े तक उड़ गए। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ है, वह हाईटेक इंडस्ट्री के नाम से चल रही है। पता चला है कि यह फैक्ट्री बहुत पुरानी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भौंरी में निमार्णाधीन आवासों के कार्य में और तेजी लायें तथा फिनिशिंग का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करें

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने भौंरी आवासीय परियोजना का निरीक्षण कर, पार्क एवं सड़क निर्माण के कार्य को भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भौंरी आवासीय परियोजना के आवासों के कार्यों का निरीक्षण करते हुए परियोजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों के कार्य में और अधिक तेजी लाने एवं फिनिशिंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही सड़क एवं पार्क का निर्माण कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निमार्णाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य में तेजी लाने और खुले क्षेत्र को शीट लगाकर कवर करने के निर्देश दिए। इस दौरान निगम आयुक्त ने पार्क क्षेत्र में वृक्षारोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव, कार्यपालन यंत्री श्री आर.के.गोयल सहित अन्य अधिकारी व कनसल्टेंट मौजूद थे।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भौंरी आवासीय परियोजना में निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण किया और विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की साथ ही मानचित्रों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निमार्णाधीन आवासों के निमार्ण कार्य में और अधिक तेजी लाने तथा फिनिशिंग कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने आवासीय परियोजना क्षेत्र में सड़कों एवं पार्कों का निर्माण भी शीघ्रता से करने हेतु निर्देशित किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने परियोजना क्षेत्र में निमार्णाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया और कार्य प्रगति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त करते हुए निमार्णाधीन एस.टी.पी. के पास खुले क्षेत्र को शीट लगाकर कवर करने हेतु भी निर्देशित किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने भौंरी आवासीय परियोजना क्षेत्र में पार्क की भूमि पर पौधरोपण किया और पौधों की बेहतर ढंग से देखभाल एवं सिंचाई करने के निर्देश भी दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भौंरी परियोजना में स्लम एवं नॉन स्लम श्रेणी के ई.डब्ल्यू.एस आवासों सहित एल.आई.जी एवं डुप्लेक्स आवासों का निर्माण कराया जा रहा है साथ ही इस परियोजना में 01 हजार वर्गफीट आकार के भूखण्ड भी विकसित किए गए हैं।

1 लाख 24 हजार 701 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला

सोलर ऑवर में मिल रही 20 प्रतिशत छूट का लाभ

- भोपाल रीजन के 1,16,736 उपभोक्ताओं को 01 करोड़ 44 हजार रूपए एवं
- ग्वालियर रीजन के 7,965 उपभोक्ताओं को मिली 08 लाख 14 हजार रूपए से अधिक की छूट

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 1 लाख 24 हजार 701 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान करते हुए जुलाई 2025 में कुल 01 करोड़ 08 लाख 59 हजार 082 रुपए की रियायत प्रदान की गई है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत माह जुलाई 2025 के दौरान 1 लाख 24 हजार 701 उपभोक्ताओं को यह छूट प्रदान की गई है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल क्षेत्रांतर्गत कुल 1 लाख 16 हजार 736 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं ने 01 करोड़ 44 हजार तथा ग्वालियर क्षेत्रांतर्गत कुल 7 हजार 965 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं ने कुल 08 लाख 14 हजार रुपए की बिजली बिल में छूट का लाभ उठाया है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) छूट के तहत 50 रुपए से लेकर 12 हजार 160 रुपए तक की छूट प्रदान की गई है। प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें और स्मार्ट मीटर लगवाने से न घबराएं। स्मार्ट मीटर उनके लिए हर तरह से फायदेमंद है और स्मार्ट मीटर की सटीक रीडिंग और बिलिंग के साथ ही कार्यप्रणाली में भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल क्षेत्रांतर्गत कुल 1 लाख 16 हजार 736 उपभोक्ताओं में हरदा सर्किल के कुल 07 उपभोक्ताओं को 2 हजार 174 रूपए, राजगढ़ के 26 उपभोक्ताओं को 4 हजार 706 रूपए, भोपाल ग्रामीण के 6 हजार 970 उपभोक्ताओं को 5 लाख 11 हजार 994 रूपए, रायसेन के 15 उपभोक्ताओं को 12 हजार 074 रूपए, बैतूल के 63 उपभोक्ताओं को 21 हजार 312 रूपए, विदिशा के 966 उपभोक्ताओं को 58 हजार 532 रूपए, सीहोर के 2 हजार 418 उपभोक्ताओं को 1 लाख 50 हजार 892 रूपए, नर्मदापुरम के 18 हजार 091 उपभोक्ताओं को 14 लाख 17 हजार 160 रूपए तथा भोपाल शहर वृत्त के 88 हजार 180 उपभोक्ताओं को 78 लाख 65 हजार 444 रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। इसी प्रकार कंपनी द्वारा ग्वालियर क्षेत्रांतर्गत कुल 7 हजार 965 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं में शिवपुरी सर्किल के कुल 03 उपभोक्ताओं को 644 रूपए, मुरैना के 02 उपभोक्ताओं को 1 हाजर 095 रूपए, अशोक नगर के 04 उपभोक्ताओं को 1 हजार 906 रूपए, दतिया के 06 उपभोक्ताओं को 2 हजार 152 रूपए, गुना के 90 उपभोक्ताओं को 6 हजार 738 रूपए, ग्वालियर ग्रामीण के 2 हजार 208 उपभोक्ताओं को 1 लाख 92 हजार 432 रूपए तथा ग्वालियर शहर वृत्त के 5 हजार 652 उपभोक्ताओं को 6 लाख 09 हजार 819 रूपए की दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ताओं को ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद मिलती है। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे ऊर्जा की खपत को बेहतर बनाया जा सकता है। उपभोक्ता ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन मोबाइल एप के द्वारा किसी भी समय कहीं से भी देख सकते हैं। स्मार्ट मीटर ऊर्जा की खपत को कम करने में सहायक होकर पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव को भी कम करता है।

स्वाधीनता दिवस हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आयोजन और प्रबंधन में कोई कमी न रहे

- जन-जन को जोड़ें आजादी पर्व से
- मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का सभी जिलों में होगा लाईव प्रसारण
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के आयोजन से जुड़ी तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में तय किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का सभी जिलों में होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाईव प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता के नाम संदेश का लाईव प्रसारण पूरा होने के बाद जिलास्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपने संबोधन में जिले में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जिले में आए निवेश, कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में हुए विकास और अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों के बारे में भी नागरिकों को जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पूरे हर्ष उल्लास, गरिमा और जन सहभागिता के साथ हो। विशेष रूप से युवा वर्ग में देशभक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यस्तरीय समारोह स्थल पर बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समारोह में लोकतंत्र सेनानियों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वाधीनता दिवस समारोह में शामिल होकर देशभक्ति के संदेश का प्रसार करें। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल, सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्रीगण द्वारा राज्य एवं जिलास्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में गरिमा के अनुरूप नवाचारों के संबंध में सुझाव भी दिए गए। अधिकारियों द्वारा समारोह के सुचारु आयोजन के लिए की जा रही व्यापक तैयारियों की सिलसिलेवार जानकारी दी गई।

भोपाल शहर के 88 हजार 180 उपभोक्ताओं को 78 लाख 65 हजार से अधिक की छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में मिल रही 20 प्रतिशत छूट का लाभ

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। *मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 1 लाख 24 हजार 701 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान करते हुए जुलाई 2025 में कुल 01 करोड़ 08 लाख 59 हजार 082 रुपए की रियायत प्रदान की गई है जिसमें भोपाल शहर वृत्त के 88 हजार 180 उपभोक्ताओं को 78 लाख 65 हजार 444 रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) छूट के तहत 50 रुपए से लेकर 12 हजार 160 रुपए तक की छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत माह जुलाई 2025 के दौरान यह छूट प्रदान की गई है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है। प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें और स्मार्ट मीटर लगवाने से न घबराएं। स्मार्ट मीटर उनके लिए हर तरह से फायदेमंद है और स्मार्ट मीटर की सटीक रीडिंग और बिलिंग के साथ ही कार्यप्रणाली में भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ताओं को ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद मिलती है। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे ऊर्जा की खपत को बेहतर बनाया जा सकता है। उपभोक्ता ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन मोबाइल एप के द्वारा किसी भी समय कहीं से भी देख सकते हैं। स्मार्ट मीटर ऊर्जा की खपत को कम करने में सहायक होकर पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी कम करता है।*

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। गणेशोत्सव त्यौहार 27 अगस्त तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झाँकियों में बिजली साज-सज्जा,नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें- बिजली कंपनी के पोर्टल http://saralsanyojan.mpcz.in:8888/home पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें, लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं, आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें, रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झाँकी के सामने लगाएं, आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें, विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी, झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें, अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर - 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान

अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका, पारेषण एव वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना, अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही, अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने जलकुंभी की सफाई कार्य का किया निरीक्षण राजा भोज की प्रतिमा के सामने सहित तालाब के अन्य क्षेत्रों में जलकुंभी की बेहतर ढंग से सफाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने बड़े तालाब में जलकुंभी सफाई कार्य का निरीक्षण करते हुए तालाब में स्थित राजा भोज प्रतिमा के आसपास सहित सम्पूर्ण तालाब क्षेत्र से जलकुंभी की सफाई बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने बुधवार को करबला पम्प हाउस सहित अन्य स्थान पर बड़े तालाब में जलकुंभी की सफाई कार्य का निरीक्षण किया और तालाब में एकत्र जलकुंभी और उसे निकालने के संबंध में किए जा रहे कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने व्ही.आई.पी रोड के पास तालाब में स्थित राजा भोज की प्रतिमा के आसपास सहित सम्पूर्ण तालाब क्षेत्र से जलकुंभी की सफाई का कार्य बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने कहा कि जलकुंभी सफाई के उपरांत तालाब क्षेत्र में सतत रूप से निगरानी भी की जाए और वर्षा के दौरान बहकर आने वाली जलकुंभी को तत्काल साफ करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियों में नहीं रहे कोई कमी – संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्त, कमांडेंट 7वीं वाहिनी एवं कलेक्टर ने की स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की समीक्षा

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह लाल परेड मैदान पर आयोजित होगा। समारोह की व्यवस्थाओं की तैयारी के लिए संभागायुक्त श्री संजीव सिंह, कमांडेंट 7वीं वाहिनी श्री हितेश चौधरी एवं कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लाल परेड मैदान पर पहुंचकर समीक्षा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि समारोह की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं छोड़ी जाए। सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं। कमांडेंट 7वीं वाहिनी श्री चौधरी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बारी-बारी से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समारोह में पहुंचने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं आमजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। समारोह स्थल पर पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश और बैठक व्यवस्था बेहतर हो। ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। स्कूली बच्चों को लाने के लिए बसों की व्यवस्था कर ली जाए। उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े। कमांडेंट 7वीं वाहिनी श्री चौधरी ने कहा कि समारोह स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, शौचालय की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा प्रातः काल शौर्य स्मारक एवं सायंकाल रविंद्र भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए आवश्यक तैयारी कर ली जाए। समारोह स्थल पर स्वास्थ्य विभाग टीम एवं फायर बिग्रेड की उपलब्ध रहे।

नर्मदापुरम जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे के मार्गदर्शन में जिले में कांग्रेस स्मार्ट मीटर के विरोध में लगातार सक्रिय

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। बुधवार को नर्मदापुरम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवकांत पांडे एवं नगर कांग्रेस कमेटी एवं नगराध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के नेतृत्व में स्मार्ट मीटर के विरोध में महाप्रबंधक मध्य क्षेत्र विधुत वितरण कम्पनी के महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव कर महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में जबरन स्मार्ट मीटर न लगाने, जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं उनके यहां बहुत अधिक बिल आने की शिकायत पर तुरंत जाँच कर पुराना मीटर लगाने एवं बार बार बिजली गुल होने की समस्या को हल करने की मांग की गई । मांग पूरी न होने की स्थिति में पूरे जिले में आंदोलन कर जिला बंद करने की चेतावनी दी। चर्चा के दौरान महाप्रबंधक श्री भदौरिया ने नए स्मार्ट मीटर न लगाने एवं शासन से मार्गदर्शन लेने का आश्वासन के साथ ही जिनके यहां अधिक बिल आ रहे हैं उनकी शिकायत पर तुरंत निराकरण करने का आश्वासन दिया। घेराव में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पाण्डेय पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी पूर्व जिला पंचायत सदस्य चन्द्रगोपाल मलैया अनोखी राजोरिया श्रीमती मीना वर्मा अजय सैनी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नंदू वर्मा जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार फेजान उल हक महेश पाण्डेय जीजी जोसफ राजेंद्र मिश्रा श्याम दुबे अनिल सक्सेना प्रताप ठाकुर गुलाम मुस्तफा विजेंद्र राजपूत राजेश चौहान कमलेश बाथरे कपिल यादव हेमंत चौधरी अमित खत्री कुलदीप राठौर आफरीद अफराज खान बबलू मीना सूरज तिवारी कीर्ति मिश्रा प्रेम राजोरिया आनंद थापक शैलेन्द्र तोमर धीरज बहुत्रा देवीदास सहित अन्य कांग्रेस जन एवं आम उपभोक्ता भी शामिल रहे।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, 8 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। *कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश पर आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने बुधनी सर्किल के अलग-अलग इलाकों में छापा मारकर 61 लीटर अवैध शराब जब्त की, जिसकी बाजार में कीमत करीब 15 हजार रुपए है। इस कार्रवाई में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी संगीता नायक के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। यह अभियान अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए चलाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा।*

पवित्रता रूपी धर्म में स्थित होने की प्रतिज्ञा करने का प्रतीक रक्षाबंधन- ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी

दैनिक भेल पॉवर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय गुलाबगंज में रक्षाबंधन उत्सव बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। ब्रह्माकुमारी रुक्मिणी दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत में जितने भी त्यौहार मनाए जाते हैं उन सब में से रक्षाबंधन सबसे अधिक सात्विक मालूम होता है परंतु जिस अर्थ को लेकर यह त्यौहार शुरू हुआ था आज उसमें काफी अंतर आ गया है। आज जो रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाता है उसमें बहनें भाई को राखी बांधती है लोग इसका यह अभिप्राय समझते हैं कि राखी बांधने के पश्चात भाई बहन को अच्छा सा गिफ्ट देते हैं। भाई अपनी बहन की रक्षा करने के लिए बाध्य हो जाता है। बहन भी राखी के उपलक्ष में गिफ्ट की मन में कुछ आस जरूर रखती है आजकल रक्षाबंधन त्योहार गिफ्टों का त्योहार मात्र बनकर रह गया है। वास्तव में रक्षाबंधन की शुभ रसम तो किसी अन्य अभिप्राय से शुरू हुई थी परंतु समय अंतर में रक्षा और बंधन शब्द का गलत अर्थ ले लेने के कारण इसका स्वरूप बदल गया सबसे पहली भूल तो यह हुई की रक्षा शब्द का अर्थ शारीरिक रक्षा मान लिया गया। इस त्यौहार के जो अन्य नाम है उनसे रक्षा का वास्तविक अभिप्राय स्पष्ट हो जाता है जैसे कि उल्लेख किया गया है कि इसको विषतोडक पर्व, पुण्य प्रदायक पर्व भी कहा जाता है। इससे सिद्ध है कि इसका संबंध विषय विकारों को छोड़ने तथा पवित्र आत्मा या पुण्य आत्मा बनने से है इसलिए रक्षाबंधन पर बहनों के अतिरिक्त ब्राह्मण भी अपने यजमानों को राखी बांधते हैं जो अपने यजमानों से धर्म की रक्षा करने के लिए दी गई प्रतिज्ञा के बंधन का प्रतीक है। वह उस दिन केवल राखी ही नहीं बांधते परंतु मस्तक पर तिलक भी देते हैं बहनें भी अपने भाइयों को मस्तक पर चन्दन अथवा केसर का तिलक देती है। तिलक आत्मा को ज्ञान के रंग में रंगने अथवा आत्मा की स्मृति में रहने का प्रतीक है और आत्म दृष्टि से हम सभी भाई-भाई हैं यह दृष्टि कामरूपी विष को तोड़ने में सहायक है अतः रक्षाबंधन प्रत्येक नर नारी के लिए पवित्रता रूपी धर्म में स्थित होने की प्रतिज्ञा करने का प्रतीक है। भले ही राखी कुछ धागों की बनी होती है परंतु उन धागों में जो उच्च भाव है उसे धारण करके मनुष्य अपने जीवन में महान बना सकता है। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि आज तो मानव काम क्रोध आदि शत्रुओं से बुरी तरह पीड़ित और आहत है अतः अब परमपिता परमात्मा शिव जो मानव मात्र के कल्याणकारी और रक्षक हैं सभी नर नारियों को पुनः इस आदि रहस्य से राखी बांधते हैं अब विश्व के लिए संकट का समय विकारों की सुरक्षा में सूक्ष्मअग्नि में दुनिया झुलस रही है अतः अब सृष्टि को इन विकारों रूपी महाशत्रुओं से बचाना है। पवित्रता की प्रतिज्ञा की प्रतीक राखी को बांधकर परस्पर भाई बहन या भाई भाई की शुद्ध दृष्टि और वृत्ति को धारण करो। इस वास्तविक अर्थ के साथ रक्षाबंधन बांधने की जरूरत है। अधिक संख्या में माता बहनों ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

नगरपालिका अध्यक्ष ने 7 वार्डों में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, कहा ...

जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी । नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पंकज चौरे ने बुधवार को नगर के सात वार्डों में चल रहे निर्माण कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थलों पर पहुंचकर सड़क और नाली निर्माण से जुड़ी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा ठेकेदारों एवं इंजीनियरिंग टीम को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप तथा पूर्ण गुणवत्ता के साथ किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड क्रमांक 2 और 14 में चल रहे रोड निर्माण कार्य, तथा वार्ड क्रमांक 24, 25 और 26 में हो रहे नाली निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही वार्ड क्रमांक 34 एवं 16 में भी निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। श्री चौरे ने कहा कि जनता की मेहनत की कमाई से हो रहे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी एवं ठेकेदार समयसीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद शुभम गौर, कुंदन गौर, पार्षद प्रतिनिधि शहवाज खान, पार्षद राहुल प्रधान भी उपस्थित रहे। वहीं, नगर पालिका की इंजीनियरिंग शाखा से अधिकारी आदित्य पांडे, सोनिका अग्रवाल, मयंक अरोरा सहित अन्य तकनीकी कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष ने यह भी संकेत दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की तीसरे पक्ष द्वारा परीक्षण की भी योजना बनाई जा रही है, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

भव्य कांवड़ यात्रा से शिवमय हुआ शहर, उमड़ा आस्था का सैलाब

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। *कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में बुधवार को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। कांवड़ यात्रा सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ हुई जो साढ़े चार घंटे में आठ किलोमीटर का सफर तय करते हुए कुबेरेश्वर धाम पहुंची। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। श्रद्धालुओं की आस्था का देखते हुए माहौल शिवमय नजर आया। कांवड़ यात्रा पंडित प्रदीप मिश्रा के निवास से प्रारंभ हुई, फिर सीवन नदी तट पहुंची, जहां पंडित प्रदीप मिश्रा ने कांवड़ में जल भरा और कांवड़ यात्रा का आगाज हुआ। कांवड़ यात्रा में आगे-आगे पंडित प्रदीप मिश्रा चल रहे थे, जबकि उनके पीछे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब चल रहा था। आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से तैनात रहा, चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।* ***हाईवे पर लगा भीषण जाम-*** *कांवड़ यात्रा की विशाल भीरू१ के कारण इंदौर-भोपाल हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। प्रशासन द्वारा डायवर्जन के बावजूद हाईवे पर लगभग 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को घंटों तक परेशानियों का सामना करना पड़ा।*

सफाई मित्रों ने दिखाई जादूगरी

इस भव्य आयोजन के दौरान नगर पालिका के सफाई मित्रों की जादूगरी भी देखने को मिली। दरअसल, कुबेरेश्वर धाम में अनुमानित श्रद्धालुओं की संख्या में 2 लाख से ज्यादा बताई जा रही है। ऐसे में शहर में गंदगी, कचरा होना भी लाजमी था। हालांकि नगर पालिका के सफाई मित्रों ने इस गंदगी को पलक झपकते ही साफ कर दिया। जैस-जैसे कांवड़ यात्रा आगे बढ़ती गई, ठीक पीछे सफाई मित्र सफाई व्यवस्था संभालते गए।

बुधवार को भी दो श्रद्धालुओं की मौत

इस भव्य आयोजन के बीच कुबेरेश्वर धाम में दुखद घटनाएं भी हुई। मंगलवार को जहां धक्का मुक्की होने की वजह से दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, जिनकी पहचान संगीता गुप्ता (48) और जसवंती बहन (56द्ध) के रूप में हुई। बुधवार को कांवड़ यात्रा के दौरान दो और श्रद्धालु चतुर सिंह (50) और ईश्वर सिंह (65) की मौत की पुष्टि हुई] जिससे मरने वालों की कुल संख्या चार हो गई।

बरेली के कुछवाड़ा में उपभोक्ता की गलती से ही लगा था करंट

बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों और पुलिस विभाग की जांच टीम ने किया खुलासा

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। हम अक्सर जल्दबाजी में गलती कर बैठते हैं। बरेली के कुचवाड़ा में एक व्यक्ति को करंट लग गया। बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी जीएस पटेल उपमहाप्रबंधक बरेली संभाग ने इसकी जांच की पता चला कि उपभोक्ता की गलती से ही उसे कारंट लगा था। ग्राम कुचवाड़ा में खेत पर एक महेंद्र शर्मा वाला 25 केवीए ट्रांसफार्मर रखा हुआ है। जिस पर 3 कनेक्शन और खेत के चारों ओर तार फेंसिंग लगी थी। एक कनेक्शन महेंद्र शर्मा जिसका सर्विस न ठ2180004931 इनके द्वारा ट्यूबवेल पर जिस डोरी का उपयोग किया जा रहा था उस डोरी पर जगह जगह कट था। जिसका वीडियो सलग्न है। एवं कटी हुई डोरी तार फेंसिंग के सहारे जा रही थी। कटे हुए भाग के संपर्क से तार फेंसिंग में करंट फेल गया। उसी समय खेत के बाहर से आते समय ओमप्रकाश को करेंट लग गया। उसको बचाने के लिए रामू एवं रामकृष्ण भागे वह भी तार फेंसिंग के संपर्क में आ गए। जिससे उन्हें करेंट लग गया। जांच में पाया गया यह घटना उपभोक्ता की लापरवाही के कारण घटित हुए है। इसमें विभाग के किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी की कोई गलती नहीं है।

निगम अमले ने शहर के सभी जोन क्षेत्रों में स्पॉट फाईन की कार्यवाही करते हुए 516 प्रकरणों में 88 हजार 250 रुपये की राशि वसूल की

गंदगी एवं डेंगू लार्वा पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध की कार्यवाही

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। *नगर निगम द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने, कचरा पृथक्कीकरण, दुकानों पर गीले-सूखे कचरे के लिए पृथक-पृथक डस्टबिन रखने, कचरा एकत्र करने आने वाले सफाई मित्रों को ही कचरा देने जैसे स्वच्छता के मानकों का पालन न करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जा रही है साथ ही घर-घर जाकर डेंगू लार्वा की जांच की जा रही है और डेंगू लार्वा पाये जाने पर संबंधित भवन स्वामियों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी प्रभावी ढंग से की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 516 प्रकरणों में 88 हजार 250 रुपए की राशि वसूल की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर बुधवार को निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने विभिन्न जोन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए जोन क्रमांक 01 में 21 प्रकरणों में 02 हजार 250 रुपए, जोन क्रमांक 02 में 28 प्रकरणों में 03 हजार 400 रुपए, जोन क्रमांक 03 में 10 प्रकरणों में 01 हजार रुपए, जोन क्रमांक 04 में 14 प्रकरणों में 02 हजार रुपए, जोन क्रमांक 05 में 10 प्रकरणों में 01 हजार 900 रुपए, जोन क्रमांक 07 में 27 प्रकरणों में 02 हजार 700 रुपए, जोन क्रमांक 08 में 35 प्रकरणों में 03 हजार 600 रुपए, जोन क्रमांक 09 में 13 प्रकरणों में 01 हजार 300 रुपए, जोन क्रमांक 10 में 83 प्रकरणों में 28 हजार 600 रुपए, जोन क्रमांक 11 में 15 प्रकरणों में 01 हजार 500 रुपए, जोन क्रमांक 12 में 27 प्रकरणों में 02 हजार 700 रुपए, जोन क्रमांक 13 में 14 प्रकरणों में 03 हजार 200 रुपए, जोन क्रमांक 14 में 41 प्रकरणों में 09 हजार रुपए, जोन क्रमांक 15 में 19 प्रकरणों में 02 हजार 300 रुपए, जोन क्रमांक 16 में 32 प्रकरणों में 06 हजार 300 रुपए, जोन क्रमांक 17 में 39 प्रकरणों में 04 हजार 300 रुपए, जोन क्रमांक 18 में 38 प्रकरणों में 05 हजार 300 रुपए, जोन क्रमांक 19 में 08 प्रकरणों में 01 हजार 400 रुपए, जोन क्रमांक 20 में 15 प्रकरणों में 02 हजार 300 रुपए तथा जोन क्रमांक 21 में 27 प्रकरणों में 03 हजार 200 रुपए की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की।*

पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की...

न दोनों मांगों को लेकर विपक्ष ने लगातार प्रदर्शन किया। विपक्ष की मांग के बाद संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो गई है,लेकिन एसआई आर पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में चर्चा चाहता है लेकिन सरकार अभी तक इसपर बिल्कुल ही तैयार नहीं है।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत की हर गतिविधियों पर लगी रहती है वैसे भी अभी 21 जुलाई से 21 अगस्त तक मानसून सत्र चल रहा है तो निगाहें और भी पैनी हो जाती है कि, संसद किस तरह के बड़े फैसले लेता है,या फिर ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटों की बहस के बाद अब फिर एसआई आर पर संसद में हंगामें केकारण कामकाज ठप्प पड़ा है,ऊपर से उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर 2025 को होने की घोषणा हो चुकी है सांसद में बड़े-बड़े बिल पेंडिंग है, इस बीच भारत सरकार व पार्टी के दो मुख्य पावरफुल सर्वोच्च दिग्गजों का अचानक रविवार 3 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति भवन में जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करने की गतिविधि ने भारत ही नहीं पूरे विश्व का ध्यान खींचा है,इसीलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जरूर कोई अति खास महत्वपूर्ण मुद्दा होगा जो दोनों दिग्गज अलग-अलग रूप से राष्ट्रपति भवन में जाकर उनसे मुलाकात की है,जिसका खुलासा कुछ दिनों में हो जाएगा, परंतु राजनीतिक हल्कों में सियासी अटकलों का बाजार गर्म हो गया है, विपक्ष अलर्ट हो गया है कि कहीं कोई बड़ा फैसला तो नहीं लिया जा रहा है, या फिर मानसून सत्र में कोई बड़ा बिल तो पेश नहीं किया जाएगा और हंगामें के बीच ध्वनिमत से पारित कर लिया जाएगा या फिर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की भी तैयारी या फिर उपराष्ट्रपति के नाम पर मोहर लग चुकी है इसके कयास लगाए जा रहे हैं। चूँकि सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला, बड़ा बिल, जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति के चुनाव का मामला हो सकता है इसलिए

आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पीएम गृहमंत्री नें अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की, राजनीतिक गतिविधियों में सियासी अटकलें चरम सीमा पर पहुंची।

साथियों बात अगर हम रविवार 3 अगस्त 2025 को भारत में सियासी हलचल तेज होने की करें तो,रविवार को पीएम ने और केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों नेताओं के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। हालांकि अभी तक यह सामने नहीं आया है कि पीएम और गृहमंत्री के राष्ट्रपति से मिलने के पीछे क्या कारण है। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की सियासी दरअसल, दोनों नेताओं की राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार या तो कोई बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है या फिर सदन में कोई बड़ा बिल लाना चाहती है। इसलिए दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की है। बता दें कि संसद का मानसून सत्र चल रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में एसआईआर को लेकर चर्चा की मांग कर रहा है। इन दोनों मांगों को लेकर विपक्ष ने लगातार प्रदर्शन किया। विपक्ष की मांग के बाद संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो गई है,लेकिन एसआई आर पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में चर्चा चाहता है लेकिन सरकार अभी तक इसपर बिल्कुल ही तैयार नहीं है।

साथियों बात अगर हम इस मुलाकात के माइनें 9 सितंबर 2025 को होने वाले चुनाव से जोड़कर देखें तो, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। 9 सितंबर को मतदान होगा। वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण नए उपराष्ट्रपति का चुनाव हो रहा है। 7 अगस्त को चुनाव आयोग की तरफ से अधिसूचना जारी की जाएगी।

बता दें कि 21 जुलाई को पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया। ऐसे में फिर से उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव होना है। यहां समझें दोनों सदनों का नंबर गेम, संसद की दोनों सदनों में सांसदों की कुल संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद पर जीत दर्ज करने के लिए उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होती है। लोकसभा में 542 सदस्यों में, एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 240 सदस्यों में से 129 सदस्य एनडीए के हैं। कुल मिलाकर एनडीए को 422 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में एनडीए का उम्मीदवार ही उपराष्ट्रपति पद का दावेदार हो सकता है। फिलहाल की तरफ से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। यहां रेखांकित करने वाली बात यह है कि पार्टी के पास इस समय उपराष्ट्रपति चुनाव में धनखड़ और नायडू जैसी स्थिति नहीं है अभी तीन पहियों पर सरकार सवार है इसलिए बाकी दो पहियों से उम्मीदवार के नाम पर सहमति लेना जरूरी हो गया है,नहीं तो नंबर गेम में बड़ा खेला होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता नंबर गेम के हिसाब से और दो पहिए अगर क्रॉस वोटिंग कर गए गए तो हो सकता है उपराष्ट्रपति विपक्ष का हो जाए पर इसकी संभावना बहुत कम है।

साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता शशि थरूर के बयान की करें तो, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया कि देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि केवल सत्तारूढ़ पार्टी का उम्मीदवार इस पद पर बैठ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि वह किसे उपराष्ट्रपति बनाएगी। थरूर ने कहा कि हम बस इतना जानते है कि वह जिसे उम्मीदवार बनाएगी, वह व्यक्ति ही अगला उपराष्ट्रपति होगा। यह संसद के दोनों सदनों का चुनाव है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में राज्य की विधानसभाएं भी चुनाव करती हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति के लिए केवल लोकसभा और राज्यसभा ही मतदान करते हैं। इसलिए हम बहुमत पहले से ही जानते हैं। आगे कहा कि इतना समझ लीजिये कि अगला उपराष्ट्रपति सत्तारूढ़ दल द्वारा नामित व्यक्ति होगाउन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र अगले उपराष्ट्रपति को चुनने के लिए विपक्ष की भी सलाह लेगा, लेकिन कौन जाने?

साथियों बात अगर हम उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया व योग्यता की करें तो, उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया और योग्यता (1) भारत का नागरिक होना चाहिए(2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए (3) राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता होनी चाहिए (4) उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया होती है (5) उम्मीदवार को 15,000 रूपए की जमानत राशि जमा करनी होती है (6) 1/6 वोट न मिलने पर जमानत राशि जब्त हो जाती है (7) नामांकन पत्रों की जांच के बाद वैध उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाती है (8) मतदान प्रक्रिया में, मतदाता अपनी पसंद के अनुसार उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं (9) उदाहरण के लिए, यदि तीन उम्मीदवार अ, इ, और उ हैं, तो मतदाता प्राथमिकता दर्शा सकता है (10) हर सांसद एक वोट देता है (11) प्राथमिकता के आधार पर उम्मीदवारों को 1, 2, 3 के क्रम में दशार्ता है (12) मतों की गिनती के बाद, उम्मीदवारों को उनकी प्राथमिकता के अनुसार मतों का आवंटन किया जाता है (13) सबसे ज्यादा मत पाने वाले उम्मीदवार को राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की- राजनीतिक गलियारों में सियासी अटकलें चरम पर पहुंची !सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला,बड़ा बिल,जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति चुनाव का मामला ?सरकार के दो सर्वोच्च दिग्गजों का राष्ट्रपति से एक ही दिन अलग-अलग मिलना, किसी बड़े महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर इशारा करता है।

देश में हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ

वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का पूरा नाम मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथ था। उनका जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ था। वह कृषि वैज्ञानिक के साथ ही पादप आनुवंशिकीविद भी थे। उनको 1972 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का महानिदेशक बनाया गया और भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। देश में हरित क्रांति की शुरूआत करने वाले महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को केंद्र सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया गया वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा काम किया था। स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की ऐसी वेरायटी तैयार की थी जिससे न केवल पैदावार में इजाफा हुआ, बल्कि उनके प्रयासों से देश को सूखे से बचाने में भी मदद मिली। उनका विवाह मीना स्वामीनाथन से हुआ था, जिनसे उनकी मुलाकात 1951 में हुई थी जब वे दोनों कैम्ब्रिज में पढ़ रहे थे। वे चेन्नई, तमिलनाडु में रहते थे। उनकी तीन बेटियाँ सौम्या स्वामीनाथन (एक बाल रोग विशेषज्ञ), मधुरा स्वामीनाथन (एक अर्थशास्त्री), और नित्या स्वामीनाथन (लिंग और ग्रामीण विकास) हैं।गांधी और रमण महर्षि ने उनके जीवन को प्रभावित किया।अपने परिवार के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ जमीन में से, उन्होंने एक तिहाई विनोबा भावे के कारण दान कर दी। 1960 के दशक में भारत समेत पड़ोसी देशों को अकाल की स्थिति से बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।बाद में 1979 में वह प्रधान सचिव बनाए गए थे। वह योजना आयोग में भी रहे। देश को सूखे से बचाने पर उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।अपने करियर की शुरूआत सिविल सेवा से की, लेकिन उनकी रुचि कृषि में थी। इस वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में रिसर्च करना शुरू कर दिया। यूरोप और अमेरिका के कई बड़े संस्थानों में उन्होंने अपने रिसर्च से महत्वपूर्ण खोजे कीं और उपलब्धियां हासिल कीं। 1954 में उन्होंने सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट कटक में जैपोनिका किस्मों से इंडिका किस्मों में फर्टिलाइजर रिस्पांस के लिए जीन ट्रांसफार्मर करने पर बड़ा काम किया।उन्होंने इसे उच्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने का पहला प्रयास बताया जो अच्छी मिट्टी की उर्वरता और अच्छे जल प्रबंधन का जवाब दे सकती हैं। इसकी आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि आजादी के बाद भारतीय कृषि बहुत अधिक उत्पादक नहीं थी। वर्षों के औपनिवेशिक शासन ने इसके विकास को प्रभावित किया और देश के पास इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए संसाधनों की कमी थी। हालत यह थी कि भोजन के लिए जरूरी फसलों को भी अमेरिका जैसे देशों से आयात करना पड़ता था। कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु सम्बाशिवन स्वामीनाथन, जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, ने 1960 के दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि का काम किया। मेक्सिको में एमएपी की सफलता से प्रेरित होकर, उन्होंने बोरलॉग के साथ मिलकर नई मैक्सिकन गेहूँ की किस्में विकसित कीं। नए बीजों से लैस, स्वामीनाथन ने कठोर परीक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता का प्रदर्शन करके किसानों और भारत सरकार को उन्हें अपनाने के लिए राजी करने के मिशन की शुरूआत की। 1966 में भारत ने 18,000 टन नए मैक्सिकन गेहूँ के बीज आयात किए, जिससे भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब और हरियाणा में, गेहूँ के उत्पादन में आमूल-चूल परिवर्तन आया। भारत में गेहूँ का उत्पादन 1965 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर 1970 में 2 करोड़ टन हो गया। उच्च उपज वाले चावल के बीजों की किस्मों के विकास के साथ भारत में चावल का उत्पादन भी बढ़ा। 1971 में भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया, और 1970 के दशक के अंत तक भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक बन गया। प्रभाव मेक्सिको में एक प्रयोग के रूप में शुरू हुई इस क्रांति ने अंततः दुनिया भर में, विशेष रूप से ब्राजील, चीन, पाकिस्तान और फिलीपींस जैसे विकासशील देशों में, कृषि में क्रांति ला दी। हरित क्रांति ने कृषि का औद्योगिकीकरण किया। रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और सिंचाई की विशेषता वाली आधुनिक खेती ने खेती के पारंपरिक तरीकों का स्थान ले लिया। हालाँकि यह प्रगति अभूतपूर्व थी, लेकिन इसके परिणाम भी हुए। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदूषण, मृदा क्षरण और जैव विविधता में कमी आई। बड़े पैमाने पर सिंचाई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में कमी आई है। गरीब किसान अक्सर उच्च उपज वाले बीज, उर्वरक और सिंचाई प्रणाली जैसे आधुनिक कृषि सामग्री नहीं खरीद पाते हैं, जिससे उनकी उपज कम हो जाती थी , हरित क्रांति सही दिशा में एक बदलाव है, लेकिन इसने दुनिया को स्वप्नलोक में नहीं बदल दिया है। इसकी सीमाओं के बारे में उन लोगों से ज्यादा कोई नहीं जानता जिन्होंने इसे शुरू किया और इसकी सफलता के लिए संघर्ष किया। यह देखते हुए कि हरित क्रांति ने भूख और अभाव के खिलाफ मनुष्य के युद्ध में एक अस्थायी सफलता हासिल की है, सरकारों और अन्य हितधारकों को न केवल कृषि अनुसंधान में बल्कि शिक्षा, रोजगार, आवास और स्वास्थ्य सेवा में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वामीनाथन का 28 सितंबर 2023 को चेन्नई स्थित उनके घर पर 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

संपादकीय

देश में हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ

वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का पूरा नाम मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथ था। उनका जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ था। उनको 1972 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) का महानिदेशक बनाया गया और भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। देश में हरित क्रांति की शुरूआत करने वाले महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को केंद्र सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया गया वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा काम किया था। स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की ऐसी वेरायटी तैयार की थी जिससे न केवल पैदावार में इजाफा हुआ, बल्कि उनके प्रयासों से देश को सूखे से बचाने में भी मदद मिली। उनका विवाह मीना स्वामीनाथन से हुआ था, जिनसे उनकी मुलाकात 1951 में हुई थी जब वे दोनों कैम्ब्रिज में पढ़ रहे थे। वे चेन्नई, तमिलनाडु में रहते थे। उनकी तीन बेटियाँ सौम्या स्वामीनाथन (एक बाल रोग विशेषज्ञ), मधुरा स्वामीनाथन (एक अर्थशास्त्री), और नित्या स्वामीनाथन (लिंग और ग्रामीण विकास) हैं।गांधी और रमण महर्षि ने उनके जीवन को प्रभावित किया।अपने परिवार के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ जमीन में से, उन्होंने एक तिहाई विनोबा भावे के कारण दान कर दी। 1960 के दशक में भारत समेत पड़ोसी देशों को अकाल की स्थिति से बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।बाद में 1979 में वह प्रधान सचिव बनाए गए थे। वह योजना आयोग में भी रहे। देश को सूखे से बचाने पर उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।अपने करियर की शुरूआत सिविल सेवा से की, लेकिन उनकी रुचि कृषि में थी। इस वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में रिसर्च करना शुरू कर दिया। यूरोप और अमेरिका के कई बड़े संस्थानों में उन्होंने अपने रिसर्च से महत्वपूर्ण खोजे कीं और उपलब्धियां हासिल कीं। 1954 में उन्होंने सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट कटक में जैपोनिका किस्मों से इंडिका किस्मों में फर्टिलाइजर रिस्पांस के लिए जीन ट्रांसफार्मर करने पर बड़ा काम किया।उन्होंने इसे उच्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने का पहला प्रयास बताया जो अच्छी मिट्टी की उर्वरता और अच्छे जल प्रबंधन का जवाब दे सकती हैं। इसकी आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि आजादी के बाद भारतीय कृषि बहुत अधिक उत्पादक नहीं थी। वर्षों के औपनिवेशिक शासन ने इसके विकास को प्रभावित किया और देश के पास इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए संसाधनों की कमी थी। हालत यह थी कि भोजन के लिए जरूरी फसलों को भी अमेरिका जैसे देशों से आयात करना पड़ता था। कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु सम्बाशिवन स्वामीनाथन, जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, ने 1960 के दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि का काम किया। मेक्सिको में एमएपी की सफलता से प्रेरित होकर, उन्होंने बोरलॉग के साथ मिलकर नई मैक्सिकन गेहूँ की किस्में विकसित कीं। नए बीजों से लैस, स्वामीनाथन ने कठोर परीक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता का प्रदर्शन करके किसानों और भारत सरकार को उन्हें अपनाने के लिए राजी करने के मिशन की शुरूआत की। 1966 में भारत ने 18,000 टन नए मैक्सिकन गेहूँ के बीज आयात किए, जिससे भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब और हरियाणा में, गेहूँ के उत्पादन में आमूल-चूल परिवर्तन आया। भारत में गेहूँ का उत्पादन 1965 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर 1970 में 2 करोड़ टन हो गया। उच्च उपज वाले चावल के बीजों की किस्मों के विकास के साथ भारत में चावल का उत्पादन भी बढ़ा। 1971 में भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया, और 1970 के दशक के अंत तक भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक बन गया।

(आस्था)

रक्षाबंधन बाद गुरु बृहस्पति की चाल में होगा बदलाव, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन...

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति ग्रह को देवताओं का गुरु कहा जाता है। साथ ही गुरु ग्रह लगभग 13 महीने में अपनी चाल बदलते हैं और बीच- बीच में नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। आपको बता दें कि गुरु ग्रह अभी आर्द्रा नक्षत्र में भ्रमण कर रहे हैं और वह रक्षाबंधन के बाद 13 अगस्त को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम पद में गोचर करेंगे। जिससे कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ और भाग्योदय के योग बन रहे हैं। साथ ही फंसा हुआ धन मिल सकता है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं 297 साल बाद रक्षाबंधन पर बन रहा 6 ग्रहों का दुर्लभ संयोग, इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, करियर और कारोबार में तरक्की के योग कर्क राशि गुरु बृहस्पति का नक्षत्र परिवर्तन कर्क राशि के लोगों को लाभप्रद साबित हो सकता है। इस दौरान आपको मानसिक सुकून मिलेगा। साथ ही आप कोई प्रापर्टी या वाहन खरीदने का मन बना सकते हैं। वहीं व्यवसाय में नए पार्टनर्स के साथ काम करने के मौके मिलेंगे और पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। आपकी फाइनेंशियल कंडीशन अच्छी हो जाएगी। इंवेस्टमेंट से आपको लाभ होगा। से लाभ होने के साथ ही संतान से शुभ समाचार मिल सकते हैं। साथ ही इस सयम आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। वहीं धन की सेविंग करने में सफल रहेंगे। मिथुन राशि आप लोगों के लिए गुरु ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। इस समय आप लोकप्रिय रहेंगे। साथ ही आपको मान- सम्मान की प्राप्ति होगी। वहीं अविवाहित लोगों को विवाह का प्रस्ताव आ सकता है। साथ ही साझेदारी के व्यवसाय में बड़ा मुनाफा हो सकता है। कानूनी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आएगा और करियर में नई उपलब्धियां मिलेंगी। अवसरों को पहचानें और अपने पार्टनर के साथ समय बिताएं। वहीं इस समय बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। साथ ही जीवनसाथी की तरक्की हो सकती है। वहीं इस समय आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। 17 अगस्त से चमक सकता है इन राशियों का भाग्य, 12 महीने बाद सूर्य करेंगे केतु के नक्षत्र में प्रवेश, धन- संपत्ति में अपार बढ़ोतरी के योग सिंह राशि गुरु ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन सिंह राशि के लोगों को सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। इस समय आपकी आय.में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। साथ ही आय. के नए सोर्स बन सकते हैं।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। परिवार वालों का हँसी-मजाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और खुशनुमा बना देगा। प्यार एक ऐसा जज्बा है जिसे न सिर्फ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरूआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। आज आपकी मुस्कान बेमानी है, हँसी में वो खनक नहीं है, दिल धड़कने में आनाकानी कर रहा है; क्योंकि आप किसी खास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। दफ़्तर में आपका सहयोगी रवैया इच्छित परिणाम लाएगा। आपको कई और जिम्मेदारियाँ मिलेंगी और कम्पनी में ऊँचा ओहदा हासिल होगा।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और जबरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें, अगर आप आज डेट पर जा रहे हैं तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हिम्मत न हारें और इच्छित फल पाने के लिए कड़ी मेहनत करें। इन नाकामियों को तरक़्की का आधार बनाएँ। मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। प्यार बहार की तरह है; फूलों, रोशनी और तितलियों से भरा हुआ। आज आपका रोमानी पहलू उभरकर आएगा।

सिहंः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः जिंदगी की ओर उदास नजरिया रखने से बचें। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। बुजुर्ग और परिवार के सदस्य स्नेह देंगे और खयाल रखेंगे। आप रोमांटिक खयालों और सपनों की दुनिया में खोए रहेंगे। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे - आपके सिर्फ.एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताकत और समझ दोनों ही होंगे।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। एक नजदीकी रिश्तेदार खुद के लिए आपका ज्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफी मददगार और खयाल रखने वाला होगा। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फरिश्ते के रूप में आएगी। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाजे खोल सकते हैं। अपने क्षेत्रे में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः निराशावादी रवैये से बचें क्योंकि न सिर्फ यह आपकी संभावनाओं को कम कर देगा, बल्कि शरीर के आंतरिक संतुलन को भी बिगाड़ देगा। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। अपनी बातों पर काबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के जरिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका खयाल रखते हैं।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः अनचाहे खयालों को दिमाग पर कब्जा न करने दें। शांत और तनाव-रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की जरूरत है। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ, दोनों आपस में खोए हुए।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः आपके परिवार को आपसे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफी खुशी महसूस करेंगे। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में जरूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। दोस्ती में प्रगाढ़ता के चलते रोमांस का फूल खिल सकता है। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। तनाव से भरा दिन, जब नजदीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौके हैं आज आपके पास।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी।

‘धड़क 2’ का नहीं चला जादू, मंडे टेस्ट में हुई फेल

‘सैयारा’ के बाद एक और रोमांटिक फिल्म ‘धड़क 2’ एक अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. हालांकि तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई. वहीं इस फिल्म को सन ऑफ सरदार 2 और महावतार नरसिम्हा से भी मुकाबला करना पड़ा है. इस वजह से भी ‘धड़क 2’ कमाई नहीं कर पाई है. इसका ओपनिंग वीकेंड भी खास नहीं रहा. चलिए यहां जानते हैं तृप्ति डिमरी और सिद्धांत की फिल्म ने पहले मंडे टेस्ट में कैसा परफॉर्म किया है?’धड़क 2’ अपनी कहानी और स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस के लिए तारीफें तो खूब पा रही है लेकिन ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक नहीं खींच पा रही है. वैसे फिल्म की शुरुआत ही धीमी हुई थी. उम्मीद थी कि वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी लेकिन ये शनिवार और रविवार की छुट्टी का भी फायदा नहीं उठा पाई और इसके ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन नें भी निराश ही किया. वहीं अब इसके मंडे टेस्ट का रिजल्ट भी शॉकिंग है.इन सबके बीच फिल्म की कमाई की बात करें तो ‘धड़क 2’ ने 3.5 करोड़ से ओपनिंग की थी.दूसरे दिन फिल्म ने 7.14 फीसदी की तेजी के साथ 3.75 करोड़ कमाए.तीसरे दिन फिल्म ने 10.67 फीसदी का उछाल दिखाया और 4.15 करोड़ का कलेक्शन किया.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक ‘धड़क 2’ ने रिलीज के चौथ दिन यानी पहले मंडे को 1.40 करोड़ की कमाई की है.इसी के साथ ‘धड़क 2’ की चार दिनों की कुल कमाई अब 12.80 करोड़ रुपये हो गई है.‘धड़क 2’ की कमाई का खेल सिनेमाघरों में मौजूद कई फिल्मों ने बिगाड़कर रख दिया है. जहां एक तरफ इसे सन ऑफ सरदार 2 से क्लैश करना पड़ा है तो वहीं महावतार नरसिम्हा को भी खूब दर्शक मिल रहे हैं. इधर तीन हफ्ते पुरानी सैयारा का क्रेज अभी भी कम नहीं हुआ है. इन सभी फिल्मों की वजह से ‘धड़क 2’ सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरस रही है और इसी के साथ ये कमाई भी नहीं कर पा रही है. चार दिन में ही ये बॉक्स ऑफिस पर पस्त नजर आ रही है. अगर यही हाल रहा तो इसका जल्द ही बड़े पर्दे से पैकअप हो सकता है. 7शाज़िया इक़बाल द्वारा निर्देशित, धड़क 2 तमिल फ़िल्म परियेरुम पेरुमल की रीमेक है. ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर स्टारर धड़क की सीक्वल, यह फ़िल्म दिखाती है कि आज के ज़माने में भी जातिवाद का साया समाज पर कैसे छाया हुआ है।

जटिल किरदारों में छुपी गहराई को बखूबी समझते हैं ऋषभ साहनी

ऋषभ साहनी बॉलीवुड के उन खास कलाकारों में हैं, जो अपने किरदारों की जटिलता और गहराई को पूरी शिद्दत से निभाते हैं। फिल्म फाइटर में अज़हर अख्तर की भूमिका में उन्होंने सिर्फ अपनी मौजूदगी से ही नहीं, बल्कि किरदार की सोच और गंभीरता से भी दर्शकों को प्रभावित किया। इस रोल में सिर्फ एक्शन नहीं था, बल्कि आँखों की खामोशी में छुपी वह गहराई भी शामिल थी, जिसने सबका ध्यान खींचा। अज़हर कोई चिल्लाने वाला विलेन नहीं था, वह शांत, समझदार और असल ज़िंदगी जैसा था, और यही उसे डरावना भी बनाता था।दर्शकों ने उनके इस अंदाज़ को खूब सराहा। सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि इतने सच्चे और असरदार खलनायक बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने दिखाया कि बिना दिखावे के भी एक किरदार कितना यादगार बन सकता है।खबर है कि उनकी अगली फिल्म में भी वह एक ऐसा ही ग्रे किरदार निभाने वाले हैं। हालाँकि, अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उनके फैंस उन्हें दोबारा ऐसे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं। मॉडलिंग से फिल्मों तक का सफर उन्होंने धीरे-धीरे और सोच-समझकर तय किया है। वे लाइमलाइट के पीछे नहीं भागते, बल्कि अपनी जगह मजबूती से बना रहे हैं। यदि वे इसी रास्ते पर चलते रहे, तो बॉलीवुड को एक ऐसा कलाकार मिल सकता है, जो जटिल किरदारों का नया चेहरा बन जाए।

अगस्त में ओटीटी पर तेहरान से सलाकार तक होंगी रिलीज

ओटीटी पर हर महीने नई-नई फिल्मों और वेब सीरीज की कतार लगती है. अगस्त के महीने में भी कई शानदार वेब सीरीज और फिल्में अलग-अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे रही हैं. हाउसफुल 5 और सितारे जमीन पर समेत कई फिल्में और पति पत्नी और पंगा जैसे कई शोज तो ओटीटी पर रिलीज भी हो गए है. अब अगस्त के बाकी दिनों में रिलीज होने वाली नई फिल्मों और सीरीज की लिस्ट हम आपको दे रहे हैं.

मायासभा- द राइज ऑफ टाइटन्स: साउथ फिल्म और शोज लवर्स के लिए तेलुगु सीरीज मायासभा- द राइज ऑफ टाइटन्स ओटीटी पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है. देवा कट्टा और किरण जय कुमार के डायरेक्शन वाली ये सीरीज एक पॉलिटिकल-थ्रिलर है जो 7 अगस्त को सोनी लिव पर रिलीज होगी.

मायासभा- द राइज ऑफ टाइटन्स में चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, दिव्या दत्ता, शत्रु, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा नजर आएंगे.

इसके अलावा रघु बाबू, भावना वझापंडल और तान्या एस रविचंद्रन जैसे कलाकार भी सीरीज का हिस्सा हैं.

सलाकार: सलाकार एक हाई-ऑक्टेन स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज है जिसे फारुक कबीर ने डायरेक्ट किया है. सीरीज में नवीन कस्तूरिया, मौनी रॉय, मुकेश ऋषि, पूर्णेंदु भट्टाचार्य, अश्वथ भट्ट और सूर्या शर्मा लीड रोल नजर आएंगे. सलाकार 8 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी.

लवेंचर: रिएलिटी शो लवेंचर भी इसी महीने से शुरू हो रहा है. सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर फैसल शेख और बिग बॉस 13 फेम शेफाली बग्गा इस शो को होस्ट करते दिखेंगे. लवेंचर को आप 11 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर एंजॉय कर पाएंगे.

मनपसंद की शादी: कॉमेडी सीरीज मनपसंद की शादी भी अगस्त में रिलीज होने जा रही है. इस शो को आप 11 अगस्त से देख पाएंगे. मनपसंद की शादी जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी.

बटरफ्लाई सीजन 1: किटाओ सकुराई की हॉलीवुड सीरीज बटरफ्लाई सीजन 1 में पाइपर पेराबो, डैनियल डे किम, रीना हार्डेस्टी, चार्ल्स पार्नेल और किम जी-हून जैसे स्टार्स दिखाई देंगे. ये सीरीज 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी.

सारे जहां से अछा: देशभक्ति की मिसाल पेश करती सीरीज सारे जहां से अछा 13 अगस्त को ओटीटी पर आ रही है. प्रतीक गांधी, सनी हिंदुजा, सुहेल नैय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी जैसे कलाकार सीरीज का हिस्सा हैं. इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे.

तेहरान: जॉन अब्राहम स्टारर फिल्म तेहरान का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. पहले फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी. हालांकि अब ये ओटीटी पर रिलीज हो रही है. तेहरान को आप 14 अगस्त से जी5 पर एंजॉय कर पाएंगे.

पीसमेकर सीजन 2: जॉन सीना स्टारर पीसमेकर सीजन 2 भी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है. 22 अगस्त से सीरीज जियो हॉटस्टार पर दस्तक देगी. सीरीज में जॉन सीना के अलावा डेनियल ब्रूक्स, फ्रेडी स्ट्रोमा, चुकुवुडी इवुजी, जेनिफर हॉलैंड, स्टीव एजी और रॉबर्ट पैट्रिक जैसे स्टार्स भी होंगे।

कार्तिक की फिल्म में राशि खन्ना की एंट्री

अगले साल नाग पंचमी पर रिलीज होगी फिल्म

धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने जब से कार्तिक आर्यन के साथ नागज़िला की अनाउंसमेंट की है, तभी से फैन्स इस फिल्म को देखने के लिए बेकरार नजर आ रहे हैं. दरअसल पहली बार फिल्म में कार्तिक एक इच्छाधारी नाग की भूमिका निभाने जा रहे हैं. वहीं कॉमेडी और सस्पेंस पर बेस्ड ये फिल्म 14 अगस्तक 2026 को रिलीज की जाएगी. ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इस तारीख को नाग पंचमी है. इसी बीच फिल्म की लीड हीरोइन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है.

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट की मानें तो कार्तिक की नागजिला में साउथ एक्ट्रेस राशि खन्ना लीड रोल में नजर आएंगी. कहा जा रहा है कि अपनी पिछली परफॉर्मेंस के जरिए राशि ने मेकर्स को काफी इंप्रेस किया है. राशि ने ‘द साबरमती रिपोर्ट’ और ‘योद्धा’ जैसी दो बिल्कुल अलग फिल्मों और किरदारों से खुद को साबित किया है. उन्होंने हाल ही में फरहान अख्तर की ‘120 बहादुर’ भी साइन की है, जो उनके पिछले काम से बिल्कुल अलग है.

नागजिला के मेकर्स का मानना है कि राशि इस फिल्म में एक ताजगी लेकर आएंगी और ये उनकी पिछली सभी फिल्मों से अलग भी होगी. रिपोर्ट के मुताबिक राशि साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग की तैयारी में लग जाएंगी. यह फिल्म बड़े लीग में उनकी शुरुआत है और उनकी अब तक की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म है. अनुराग बसु की फिल्म में श्रीलीला के साथ काम करने के बाद, कार्तिक के लिए यह एक और नई जोड़ी होगी.

नागज़िला अब ऑफिशियली तौर पर 2026 की सबसे मच अवेटेड बॉलीवुड फिल्मों में से एक है. ये फिल्म देसी नाग पंचमी और स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होने वाली बाकी सभी फिल्मों के लिए एक नया बार सेट करेगी. यह फिल्म कार्तिक आर्यन द्वारा धर्मा प्रोडक्शन के साथ की जा रही दूसरी धमाकेदार फिल्म भी है, इससे पहले उन्होंने तू मेरी मैं तेरा और मैं तेरा तू मेरी जैसी फिल्में की थीं.धर्मा और महावीर जैन उनके इर्द-गिर्द जो ब्रह्मांड रच रहे हैं, उसके जरिए कार्तिक आर्यन भारतीय लोककथाओं में अपनी जगह बनाते नज़र आएंगे. इस फिल्म का डायरेक्शन मृगदीप सिंह लांबा ने किया है, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज़ी हिट फुकरे का भी डायरेक्शन किया था और इसका स्क्रीनप्ले गौतम मेहरा ने लिखा है।

इन फिल्मों ने जेनेलिया का करियर डुबोया

बॉलीवुड स्टार आमिर खान ने कई सालों के बाद फिल्म सितारे जमीन पर से वापसी की है. जून 2025 में आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर रिलीज हुई थी, जिसमें जेनेलिया देशमुख (पहले जेनेलिया डिसूजा) लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं. फिल्म हिट रही. जेनेलिया कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिन्हें लोगों ने पसंद किया, लेकिन कुछ ऐसी फिल्में भी रही हैं जो उनके करियर के लिए सही नहीं रहीं. जेनेलिया की ‘जाने तू या जाने ना’ और ‘मस्ती’ जैसी फिल्में सुपरहिट रहीं, वहीं उनके करियर में कई फिल्में फ्लॉप भी रहीं.

5 अगस्त 1987 को जन्मीं जेनेलिया ने बॉलीवुड करियर की शुरुआत 2003 में रिलीज हुई फिल्म तुझे मेरी कसम से की थी. इसमें उनके अपोजिट रितेश देशमुख थे और यहीं से उनका अफेयर शुरू हुआ था. 2012 में रितेश के साथ जेनेलिया ने शादी कर ली थी, जिनसे उन्हें दो बच्चे भी हैं. आज जेनेलिया अपना 38वां बर्थडे मना रही हैं और इस मौके पर आपको उनकी कुछ फ्लॉप फिल्मों के बारे में बताएंगे.

‘लाइफ पार्टनर’

2009 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ पार्टनर के डायरेक्टर रूमी जाफरी थे. फिल्म में गोविंदा, जेनेलिया, फरदीन खान, तुषार कपूर और प्राची देसाई जैसे कलाकार नजर आए थे. मल्टीस्टारर होने के बाद भी ये फिल्म फ्लॉप हुई थी. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, इसका लाइफटाइम कलेक्शन 20.67 करोड़ था.

‘चांस पे डांस’

2010 में रिलीज हुई फिल्म चांस पे डांस के डायरेक्टर केन घोष थे. इस फिल्म में शाहिद कपूर और जेनेलिया लीड रोल में नजर आए थे और ये एक अच्छी फिल्म थी, लेकिन ये बुरी तरह फ्लॉप रही. इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 20.62 करोड़ रुपये था.

‘फोर्स’

2011 में रिलीज हुई फिल्म फोर्स के डायरेक्टर निशिकांत कमात थे. फिल्म में जॉन अब्राहम और जेनेलिया लीड रोल में नजर आए थे. इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 27.29 करोड़ था.

‘मिस्टर मम्मी’

2022 में रिलीज हुई फिल्म मिस्टर मम्मी के डायरेक्टर शाद अली थे. फिल्म में रितेश देशमुख और जेनेलिया लीड रोल में नजर आए थे. रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 12 लाख रुपये था।

संक्षिप्त समाचार

एडीजी कुंदन कृष्णन बोले- बिहार में सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे

पटना, एजेंसी। नक्सलवाद पूरे देश के लिए एक बड़ी समस्या है। लाल आतंक का नारा बुलंद करने वाले नक्सलियों ने कई बार देश को गहरे जख्म भी दिए हैं। केंद्र और अलग-अलग राज्य सरकारें समय-समय पर इन नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती हैं और उन्हें उनके अंजाम तक भी पहुंचाया जाता है। बिहार में भी नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। बिहार के कई जिले नक्सल प्रभावित माने जाते रहे हैं। इस बीच बिहार एडीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने बिहार में नक्सलियों के खात्मे को लेकर बड़ी बात कही है। एडीजी कुंदन कृष्णन ने बताया है कि बिहार में अब सिर्फ 3 हथियारबंद नक्सली ही बचे हैं। एडीजी ने कहा, 'हमारा टारगेट है कि जो केंद्र सरकार का दिशा-निर्देश है और हथियारबंद नक्सलियों के उन्मूलन के लिए जो मार्च 2026 तक जो समय सीमा दी गई है उसका अनुपालन हो जाए। अभी बिहार में हमारी जानकारी में मात्र 3 ही हथियारबंद नक्सली बचे हैं। इनको लेकर भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही यह काम पूरे होने की उम्मीद है। बिहार चुनाव से पहले ही ये जो बचे हुए नक्सली हैं उन्हें मना कर आत्मसमर्पण करवा लिया जाएगा। अगर वो सरेंडर नहीं करते हैं तो हमारा बल भी जंगल में घूम रहा है। अगर वो उनपर फायरिंग करते हैं तो वो भी फायरिंग करेंगे।' एडीजी कुंदन कृष्णन के मुताबिक, बिहार अब नक्सलमुक्त राज्य बनने के कगार पर खड़ा है। साल 2025 में अभी तक एक भी बड़ी नक्सली हिंसक घटना नहीं हुई है। नक्सलियों में हथियार डालने और सरेंडर करने की होड़ मची है। यहां आपको बता दें कि एक समय था जब बिहार के 30 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे। एडीजी ने बताया है कि लखीराय और जमुई के कुछ दुर्गम इलाकों को छोड़कर पूरा उत्तर बिहार नक्सल-मुक्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली की संजय बस्ती में 'कूड़े से आजादी' अभियान में शामिल हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तिमारपुर इलाके में जारी स्वच्छता अभियान 'कूड़े से आजादी' में मंगलवार को हिस्सा लिया और निवासियों से अपने आसपास के इलाकों को साफ रखने की सामूहिक जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम संजय बस्ती में आयोजित किया गया था। स्थानीय विधायक सूर्य प्रकाश खत्री के साथ मौजूद गुप्ता ने कहा कि समूची दिल्ली के जनप्रतिनिधि अपने-अपने इलाकों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज सुबह मुझे एक वीडियो देखने को मिला जिसमें दिल्ली में एक छोटा लड़का बस अड्डे की सफाई करता दिख रहा है। ऐसी जागरूकता देखकर बहुत खुशी हुई। अगर हर नागरिक दिल्ली की सफाई को अपनी जिम्मेदारी समझने लगे, तो शहर को वास्तव में साफ होने से कोई नहीं रोक सकता।'' उन्होंने जेजे कॉलोनी का भी निरीक्षण किया, इलाके में डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) फ्लैटों की स्थिति की समीक्षा की और निवासियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को आवश्यक विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 'कूड़े से आजादी' का अभियान महीने भर जारी रहेगा। अभियान एक अगस्त को शुरू किया गया था। दिल्ली में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के वास्ते सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समूची राष्ट्रीय राजधानी में यह अभियान चलाया जा रहा है।

स्कूल में चौथी क्लास के बच्चे को टीचर ने दी ऐसी सजा, कहा- 10 पेज 10 पेज अपशब्द लिखो

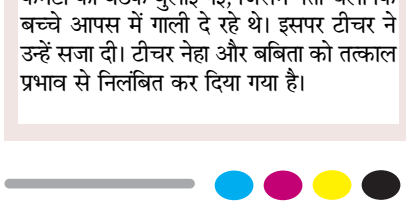

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्चे को ऐसी सजा दी गई कि हर कोई अचरज और गुस्से में हैं। कक्षा चार के एक बच्चे को टीचर ने 10 पेज गालियां लिखने की सजा दी। मामला धनबाद के हिल कॉलोनी स्थित संत मेरी स्कूल का है। आरोप है कि यहां एक टीचर ने बच्चे को गाली लिखने की सजा दी। बच्चे ने 10 पेज अपशब्द लिखे। कॉपी में यह लिखा देख परिजन भौचक्के रह गए। इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन और बाल संरक्षण पदाधिकारी से की। चौथी कक्षा के छात्र की कॉपी में अपशब्द लिखने पर मां स्कूल पहुंची, लेकिन तबतक स्कूल बंद हो गया था। स्कूल प्रबंधन की करतूत पर महिला गेट के पास रोने लगी। महिला को रोता देख मजार कमेटी व अन्य लोग पहुंचे। बाद में प्रिंसिपल को जानकारी दी गई। जब सुनवाई नहीं हुई तो महिला बच्चे को लेकर बाल संरक्षण पदाधिकारी के पास पहुंची और शिकायत की। महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। वहीं स्कूल प्रबंधन ने कहा कि मां ने शिकायत की है। तुरंत स्कूल प्रबंध कमेटी की बैठक बुलाई गई, जिसमें पता चला कि बच्चे आपस में गाली दे रहे थे। इसपर टीचर ने उन्हें सजा दी। टीचर नेहा और बबिता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, ज्योति मल्होत्रा के पिता ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हिसार, एजेंसी।
पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आज छठी पेशी हुई। अदालत ने ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। इस बीच ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अपनी बेटी को निर्दोष बताया है।

उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कोरे कागज पर साइन कराकर खुद ही ज्योति का बयान लिखा है। देशद्रोह की धारा भी लगा दी लेकिन इसका कोई भी सबूत पुलिस अभी तक नहीं जुटा पाई है। हरीश मल्होत्रा ने कहा अब उनकी बेटी कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, मैं इसकी गारंटी लेता हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को भेजे पत्र में हरीश मल्होत्रा ने लिखा कि पुलिस की एफआईआर का आधार पूछताछ के दौरान ज्योति की ओर रिकॉर्ड करवाई गई स्टेटमेंट है। पुलिस ने उनकी बेटी से कई कोरे कागजातों पर साइन करवाकर अपने हिसाब से बयान लिखा है। संविधान का अनुच्छेद 20 हमें आत्म-दोषारोपण से बचाता है, जिसके तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को उसके खुद के खिलाफ गवाह नहीं बना सकती लेकिन एफआईआर में ज्योति को ही उसके खिलाफ गवाह बनाया हुआ है। यह एफआईआर असंवैधानिक है।

उन्होंने लिखा कि पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 जोड़ी

गई है और देशद्रोह का कोई आरोप नहीं लगाया है। 9 दिन के रिमांड के दौरान भी ऐसे सबूत नहीं मिले हैं। ऐसे में पुलिस को यह धारा हटानी चाहिए। हरीश ने कहा कि हिसार के एसपी ने मीडिया में प्रेस नोट जारी कर स्पष्ट किया था कि जांच के दौरान ज्योति के किसी भी संवेदनशील, सैन्य और रणनीति जानकारी तक पहुंच नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में ऑफिशियल सिक्रेट एक्ट की धाराओं के आरोप भी मेरी बेटी के खिलाफ सही नहीं हैं।

हरीश मल्होत्रा ने कहा कि मेरी बेटी ट्रैवल ब्लॉगर थी और उसने पाकिस्तान यात्रा के सामान्य बनाए हैं। उनमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं हैं। फिर भी एजेंसी अगर कोई वीडियो हटाने के लिए कहती है तो उनको मेरी बेटी अपने ब्लॉग से हटा देगी, मैं इसकी गारंटी दे रहा हूं। अब मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी में पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसकी मैं गारंटी लूंगा। मेरी बेटी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करवाकर मुझे व मेरी बेटी को न्याय दिलाने का कष्ट करें।

1 अगस्त को ज्योति मल्होत्रा का 35वां जन्मदिन जेल में ही बीता था। ज्योति जब डेढ़ साल की थी तो उसकी मां उसे शिशु गृह में छोड़ कर चली गई थी और पिता और दादा दादी ने उसे पाला था। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद उसकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 26 मई को अदालत में पेश कर उसे हिसार की सेंट्रल जेल-टू भेज दिया था। तब से वह जेल में ही है और उसके पिता उस से मिलने आते रहते हैं। ज्योति के वकील कुमार मुकेश अब डिफॉल्ट बेल की एप्लिकेशन लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

स्टालिन और नायडू की तरह शॉर्टकट हथकंडा नहीं मंजूर, केरल के मंत्री बोले- हमें दंड ना दे केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी।
परिसीमन की चर्चा और लोकसभा सीटें घटने की आशंकाओं के बीच दक्षिण के दो राज्यों तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों एमके स्टालिन और चंद्रबाबू नायडू ने पिछले दिनों लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील की थी कि ताकि संसद में राज्य को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। हालांकि केरल ने इससे अलग रुख अपनाया है और दोनों मुख्यमंत्रियों की अपील को शॉर्टकट हथकंडा करार दिया है।

केरल के उद्योग और कानून मंत्री पी राजीव ने कहा कि इस मुद्दे को बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है, न कि इन शॉर्टकट्स की। इकनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए राजीव ने कहा, लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कहना, समस्या के समाधान का एक शॉर्टकट तरीका है। हमें इस वास्तविकता को स्वीकार करने की जरूरत है कि यह लोगों को तय करने का अधिकार है कि उनके कितने बच्चे हों।

केंद्र सरकार की नीति लागू की, इसलिए मिल रहा दंड राजीव, जो सीपीआई-एम केंद्रीय समिति के सदस्य भी हैं, ने केंद्र सरकार की नीति को लागू करने के लिए केंद्र पर दक्षिणी राज्यों को दंडित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम एक वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं, आर्थिक संकट नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण वित्तीय संकट। हमें कुछ क्षेत्रों में हमारी उपलब्धियों के लिए दंडित किया जा रहा है। आबादी कंट्रोल करने वाले राज्यों को मिले प्रोत्साहन

राजीव ने कहा, दरअसल, केंद्र को उन राज्यों को प्रोत्साहन देना चाहिए, जिन्होंने जनसंख्या कम करने की केंद्र सरकार की नीतियों को लागू किया है। जनसंख्या नियंत्रण केंद्र की एक नीति थी जिसे हमने लागू किया है। निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या सीमित करने के बजाय, उन्हें प्रोत्साहन देना चाहिए। ज़्यादा आबादी वाले राज्यों को वित्तीय प्रोत्साहन और ज़्यादा प्रतिनिधित्व देकर, आप उन्हें केंद्र की नीतियों का पालन न करने के लिए पुरस्कृत कर रहे हैं। यह न्याय नहीं है।

स्टालिन और नायडू ने की थी अधिक बच्चे पैदा करने की अपील। बता दें कि पिछले साल, चंद्रबाबू नायडू ने तब विवाद खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने अपने राज्य के लोगों से अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील की थी। तब उन्होंने कहा था कि भारत की आबादी जल्द ही बूढ़ी होती जाएगी। इसलिए, आंध्र प्रदेश सरकार ने नियमों में संशोधन किया है और अब केवल दो से ज़्यादा बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की इजाजत होगी। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इसे परिसीमन से जोड़ते हुए कहा था कि ज्यादा आबादी का मतलब संसद में राज्य का ज़्यादा प्रतिनिधित्व होगा।

फिर जेल से बाहर आया रेप और हत्या का दोषी गुरमीत राम रहीम, इस बार 40 दिन की मिली पैरोल

रोहतक, एजेंसी।
बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल मिली है। इससे पहले अप्रैल 2025 में उसे 21 दिन की फरलो दी गई थी। यह 2020 से अब तक 14वीं बार है जब राम रहीम जेल से बाहर आया है। जेल अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राम रहीम मंगलवार सुबह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और सीधे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा आश्रम के लिए रवाना हुआ। अब तक वह कुल 326 दिन जेल में बिता चुका है।

गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 2019 में पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में भी उसे दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, 2002 में अपने ही मैनेजर रंजीत सिंह की हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा मिली थी। हालांकि, इस साल मई 2024 में उसे और चार अन्य आरोपियों- अवतार सिंह, कृष्ण लाल, जसबीर सिंह और सबदिल सिंह को दोषपूर्ण और संदिग्ध जांच का हवाला देते हुए बरी कर दिया गया।

इस साल जनवरी में राम रहीम को 20 दिन की पैरोल मिली थी, जबकि अप्रैल में 21 दिन

की फरलो दी गई थी। अब अगस्त में उसे फिर 40 दिन की पैरोल दी गई है, जिससे उसकी लगातार रिहाई पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्षों में देखा गया है कि राम रहीम को चुनावी समय के आसपास जेल से बाहर आने की अनुमति मिली है।

हालांकि, चुनाव आयोग की सख्ती के चलते उसे चुनावी गतिविधियों में भाग लेने, भाषण देने और संबंधित राज्यों में ठहरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। गौरतलब है कि गुरमीत राम रहीम सोशल मीडिया के जरिए वीडियो संदेश जारी करता रहा है और उसके समर्थकों के बीच उसकी मौजूदगी का असर बना रहता है। उसके बार-बार जेल से बाहर आने को लेकर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए पैरोल देने का आरोप लगाया है।

गुरुग्राम के दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

गुरुग्राम , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और लोहे के पाइपों से लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में गुरुग्राम पुलिस के एक उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल की मौत हो गई और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात एक्सप्रेसवे पर धनौरी गांव के पास हुई, जब चारों पुलिसकर्मी एक जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ जा रहे थे। गुरुग्राम के सेक्टर 40 स्थित अपराध इकाई में तैनात उपनिरीक्षक संजय कुमार (45) और कांस्टेबल अमित (34) की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

हमीरपुर जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात 10 बजे से 10.15 बजे के बीच राठ थाना क्षेत्र के घमौरी गांव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और कांस्टेबल अमित कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायलों में सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) इंद्रजीत और हेड कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजेश वाहन चला रहा था।

हिमाचल भाजपा की 17 जिला कार्यकारिणी घोषित, महिलाओं को तवज्जो; जल्द बनेगी प्रदेश टीम

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश भाजपा ने प्रदेश भर में अपनी 17 जिला कार्यकारिणियों की घोषणा कर दी है। जल्द ही प्रदेश स्तर की नई टीम भी बनाई जाएगी। यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसने जनसंघ से लेकर आज तक संगठन की मजबूती और मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। डॉ. बिंदल ने बताया कि घोषित की गई 17 जिला कार्यकारिणियों में कुल 874 सदस्य और पदाधिकारी शामिल हैं। इनमें 358 महिलाएं और 258 अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक मजबूत संगठन खड़ा किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा के 171 मंडलों में बनी कार्यकारिणियों में कुल 7587 सदस्य हैं। इनमें 2569 महिलाएं और 3532 अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी वर्ग से हैं। प्रदेश के 8007 बूथों में से 7870 बूथों पर 11-11 सदस्यों की समितियां भी गठित कर दी गई हैं। इस तरह बूथ स्तर पर भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की संख्या 89,646 हो चुकी है। उन्होंने कहा कि

इतनी बड़ी और मजबूत टीम के साथ भाजपा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. बिंदल ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो कभी संसद में 500 सांसदों वाली बड़ी पार्टी थी, आज बहुत कम संख्या तक सिमट गई है। जबकि भाजपा, जो कभी सिर्फ दो सांसदों से शुरू हुई थी, आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गठन आजादी के लिए हुआ था, लेकिन आज वह सत्ता की राजनीति में उलझकर कमजोर हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस को भारत के तिरंगे से कोई परेशानी है तो वह साफ बताए। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा के लिए तिरंगा देश की आन, बान और शान है। भाजपा पूरे प्रदेश में 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएगी और 15 अगस्त को सभी 171 मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा, ताकि लोग देश के बंटवारे की पीड़ा को जान सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल कांग्रेस का संगठन पिछले एक साल से भंग पड़ा है और न बूथ स्तर पर कोई टीम है, न प्रदेश स्तर पर। इसके विपरीत भाजपा का हर कार्यकर्ता लगातार नई ऊर्जा के साथ मैदान में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन मजबूत और अभेद्य है और यही संगठन 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जीत की ओर बढ़ रहा है।

परिवार की सहमति बिना मंजूर नहीं प्रेम विवाह, पंजाब की ग्राम पंचायत के अनूठे फैसले से विवाद

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मोहाली जिले के एक गांव की ग्राम पंचायत ने परिवार या समुदाय की सहमति के बिना प्रेम विवाह करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ग्राम पंचायत ने बाकायदा इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी प्रेमी जोड़ा अपने परिवार या समुदाय की इजाजत के बिना प्रेम विवाह नहीं कर पाएगा। चंडीगढ़ से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर स्थित मानकपुर शरीफ की ग्राम पंचायत के इस फैसले की राजनीतिक नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तीखी आलोचना की है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 जुलाई को सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि ग्राम पंचायत उन जोड़ों को गांव में या आस-पास के इलाकों में रहने से प्रतिबंधित करता है, जो अपने परिवारों की इजाजत के बिना शादी करेंगे। प्रस्ताव में ऐसे प्रेमी जोड़ों का समर्थन करने या उन्हें आश्रय देने वाले किसी भी ग्रामीण के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

सरपंच बोले- यह सजा नहीं, परंपराओं का संरक्षण

गांव के सरपंच दलवीर सिंह ने कहा, यह कोई सजा नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं और मूल्यों की रक्षा के लिए एक जरूरी कदम है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव हाल ही में हुई एक घटना के बाद आया है जिसमें 26 वर्षीय दविंदर ने अपनी 24 वर्षीय भतीजी बेबी से शादी कर ली थी। यह जोड़ा अब गांव छोड़कर जा चुका है, लेकिन इस घटना का यहाँ रहने वाले 2,000 ग्रामीणों पर असर पड़ा है। सिंह ने आगे कहा, हम प्रेम विवाह या कानून के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम अपनी पंचायत में इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं।

बीजेपी को नेहरू से इतनी नफरत कि मेट्रो स्टेशन का नाम भी उन पर नहीं रखा गया: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी।
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने सोमवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी को जवाहरलाल नेहरू से इस कदर नफरत है कि मुंबई के वर्ली इलाके में नेहरू विज्ञान केंद्र के पास स्थित मेट्रो रेलवे स्टेशन के नाम में देश के पहले प्रधानमंत्री का नाम तक शामिल नहीं किया गया। राउत ने कहा कि नेहरू विज्ञान केंद्र मुंबई का एक ऐतिहासिक स्थल है, लेकिन मेट्रो लाइन 3 के इस स्टेशन को सिर्फ विज्ञान संग्रहालय स्टेशन कहा जाता है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि इसी तरह दहिसर-अंधेरी मार्ग पर स्थित एक मेट्रो स्टेशन को राष्ट्रीय उद्यान स्टेशन नाम दिया गया है, क्योंकि यह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के करीब है। राउत ने कहा कि इस स्टेशन के नाम में भी संजय गांधी का नाम शामिल नहीं किया गया है। संजय राउत ने कहा, अगर किसी में इतनी नफरत है तो वह देश पर शासन करने के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी भाजपा और केंद्र में सबसे बुद्धिमान मंत्री हैं, लेकिन उन्हें डर है कि नेहरू और महात्मा गांधी की प्रशंसा करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गडकरी ने गांधी, नेहरू की टिप्पणियों को किया याद। रविवार को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने महात्मा गांधी और नेहरू की टिप्पणियों को याद किया था। उन्होंने कहा, नेहरूजी कहते थे कि हमें अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गांधीजी कहते थे कि हमें अधिकतम लोगों की भागीदारी के साथ अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि केंद्र से बनाई जा रही

खनन नीति से कारोबार करना आसान हो जाएगा, क्योंकि सभी मंजूरियांती न महीने में दे दी जाएंगी ताकि खनन प्रक्रिया चौथे महीने में शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि नई खनन नीति के तहत सभी अड़चनें दूर कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा, यह खनन नीति हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी के लिए आई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री इस पर पूरी तरह सहमत नहीं थे और मेरे कुछ सुझाव देने के बाद उन्होंने मंत्रिमंडलीय सचिव को मेरे साथ नीति पर चर्चा और समीक्षा करने का निर्देश दिया।

जयपुर में लेबर इंस्पेक्टर की हत्या: घर पहुंचते ही साले ने दागी 7 गोलियां

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर की शांत सुबह अचानक गोलियों की आवाज से दहल उठी। मोहल्ले में लोग अखबार और चाय की चुस्कियों में व्यस्त थे, लेकिन उसी वक्त एक घर के बाहर मौत घात लगाकर बैठी थी। वो सुबह आम नहीं थी, क्योंकि उस दिन रिश्तों की रगों में नफरत का ज़हर दौड़ चुका था। और कुछ ही पलों में, एक राइफल की ट्रिगर पर रखी उंगली ने पूरे शहर को चौंका दिया।

ये कहानी है इंस्पेक्टर शंकर लाल बलाई की एक जिम्मेदार अफसर, जो हर दिन की तरह उस सुबह भी मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि लौटते ही उनका स्वागत गोलियों से किया जाएगा। दरअसल, बगरू के जिस घर में वो रहते थे, उसी के बाहर उनका साला अजय कटारिया पहले से छिपा बैठा था। आंखों में जलन, सीने में बदले की आग और हाथ में थी सरकारी राइफल। अजय आरएसी की 12वीं बटालियन में जवान था, लेकिन उस सुबह वो कानून का रक्षक नहीं, बल्कि खुद कानून तोड़ने वाला बन चुका था।

शंकरलाल जैसे ही घर के गेट पर पहुंचे, अजय ने बिना कुछ कहे एक के बाद एक सात गोलियां चला दीं। हर गोली जैसे बदले की एक चिट्ठी थी पिछली कहानी के अधूरे पन्ने, जिन्हें अजय अब खून से लिखना चाहता था। इंस्पेक्टर शंकरलाल जमीन पर गिरे और वहीं उनकी सांसें हमेशा के लिए थम गईं।

लोगों को जब तक कुछ समझ आता, अजय वहां से जा चुका था। लेकिन उसने भागने की कोशिश नहीं की। वो सीधे फुलेरा थाने पहुंचा, राइफल पुलिस के हवाले की और बोला मार दिया मैंने। पुलिस भी हैरान, क्योंकि

आरोपी न सिर्फ वर्दी में था बल्कि उसके बयान ने मामले को और भी पेचीदा बना दिया। जांच में पता चला कि अजय कटारिया की सगाई कुछ समय पहले हुई थी, और वो रिश्ता शंकरलाल ने ही तय करवाया था। लेकिन अजय को बाद में यह पता चला कि जिस लड़की से उसकी सगाई हुई थी, उसका किसी और से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि रिश्ता टूट गया। अजय टूट चुका था, गुस्से में था, और अंदर ही अंदर ये मान बैठा कि उसकी जिंदगी बर्बाद करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसका जीजा शंकरलाल ही है।

एक दिन उसने युवती से बात करने की कोशिश की। लेकिन जवाब मिला 'शंकरलाल भाईसाहब ने मिलने से मना किया है।' यही लाइन उसके दिमाग में हथौड़े की तरह गूंजती रही। और इसी एक लाइन ने शायद अजय को कातिल बना दिया।

पुलिस को दिए बयान में अजय ने कहा कि वो काफी समय से डिप्रेशन में था। लेकिन असली कहानी कुछ और कहती है उसकी हरकतें, उसका प्लान, सुबह-सुबह हथियार के साथ पहुंचना और फिर गोलियों की बौछार ये सब कुछ बताता है कि ये मर्डर अचानक नहीं था, ये सोच-समझकर रची गई स्क्रिप्ट थी।

जिस इंसान ने रिश्ता जोड़ा था, उसी को गोली मार दी गई। जिस घर में अजय मेहमान बनकर आता था, वहां मौत का मेहमान बनकर पहुंचा। और सबसे खौफनाक बात ये कि ये कोई गैंगस्टर, कोई बाहरी दुश्मन नहीं था ये खून उस रिश्ते ने किया, जो खून से ही बना था।

अब अजय पुलिस की गिरफ्त में है, लेकिन शंकरलाल की मौत के साथ कई सवाल भी जिन्दा हैं। क्या वर्दी पहन लेने से इंसान अंदर से मजबूत हो जाता है या जब दिल में ज़हर हो तो कानून की वर्दी भी उसे रोक नहीं पाती

क्लब चलाना कठिन रहा...

बेंगलुरु एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनील छेत्री को भी नहीं मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग क्लब बेंगलुरु एफसी ने एक मुश्किल फैसला लेते हुए सुनील छेत्री समेत अपने सभी प्लेयर्स की सैलरी को रोक दिया है. क्लब ने इसको लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया और बताया कि वह खिलाडियों और सपोर्ट स्टाफ को कुछ समय के लिए सैलरी नहीं देंगे. क्लब ने एआईएफएफ और एफएसडीएल से गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने का आग्रह करते हुआ कहा कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए इसका शीघ्र समाधान बेहद ज़रूरी है.

बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, इंडियन सुपर लीग सीज़न के भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए, बेंगलुरु फुटबॉल

क्लब ने प्रथम टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सैलरी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का एक बेहद कठिन फैसला किया है.

भारत में एक फुटबॉल क्लब को चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक कठिन काम रहा है, जिसे हमने हर सीज़न में पूरा किया है. हालांकि, लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी के कारण हमारे पास यह कदम उठाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था. हमारे प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों का भविष्य और कल्याण हमारे लिए सबसे जरुरी है, और हम समाधान की प्रतीक्षा में उनके संपर्क में हैं.

कॉमनवेल्थ गेम्सः राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा, 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा।

यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, हां, राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था) की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी।

मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र सौंपा है और अहमदाबाद को मेजबान शहर चुना गया है। देश को 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

पहली परीक्षा में डर खत्म, इंग्लैंड दौरे पर नहीं खली रोहित-विराट की कमी

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा

बंगाल के भरोसेमंद बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया ए के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी.

कुलदीप यादव को भी नहीं मिली जगह

रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की, लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला. रविचंद्रन अश्विन के बाहर रहने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की अनदेखी की. हर मैच से पहले उम्मीद की जाती थी कि इस बार कुलदीप को मौका मिलेगा, लेकिन हर बार उनकी जगह किसी और को टीम में शामिल किया गया. क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कुलदीप को खेलने का मौका मिलता, तो सीरीज भारत के पक्ष में झुक सकती थी.

● अर्शदीप सिंह का डेब्यू का इंतजार जारी

सीनियर पेसर जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तीन टेस्ट खेलने थे. ऐसे में उम्मीद थी कि अर्शदीप सिंह को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिलेगा, लेकिन टीम कॉम्बिनेशन और पिच की परिस्थितियों के कारण उन्हें भी पूरे दौरे में बेंच पर बैठना पड़ा. बाएं हाथ के इस युवा तेज गेंदबाज की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अर्शदीप ओवल में आखिरी टेस्ट तक इंतजार करते रह गए. नारायण जगदीशन भी इस लिस्ट में हो सकते हैं. हालांकि उन्हें केवल आखिरी टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन पंत की चोट के चलते ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल कर लिया गया और उनका इस्तेमाल नहीं किया गया.

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 45 दिन के क्रिकेट में भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम इस सवाल के साथ पहुंची थी कि वह सीरीज 0-4 से हारेगी या 0-5 से क्लीन स्वीप का सामना करेगी। 20 जून को जब दौरे की शुरुआत हुई तो किसी ने नहीं सोचा था कि 4 अगस्त को जब सीरीज का समापन होगा तब ओवल स्टेडियम बेन स्टोक्स के साथ शुभमन गिल ट्रॉफी उठाते दिखेंगे। सीरीज में साफ हो गया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। 45 दिन के क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज को मैनचेस्टर टेस्ट मैच के आखिरी दिन के पलों से आंकना चाहिए। जब बेधड़क क्रिकेट खेलने का दंभ भरने वाले बेन स्टोक्स मैच ड्रॉ समाप्त करने के लिए रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के आगे गिड़गिड़ाए थे।

भारतीय टीम का रहा दबदबा: भारत-इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज को लॉर्ड्स में तीसरे दिन के अंत में आउट होने के डर से जैक क्रॉली और बेन डकेट मैदान पर लेट उतरने से आंकना चाहिए। स्टोक्स के दोनों ओपनर जैसे-तैसे समय बर्बाद करके विकेट बचाने की कोशिश में लगे थे। इस रिकॉर्ड से भापना चाहिए कि टॉप 5 सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में 3 भारतीय हैं। 21 में से 12 शतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। इस सीरीज को ओवल में 30 रन के अंदर 5 विकेट लेकर अंग्रेजों के जबड़े से जीत छीनने के लिए याद रखना चाहिए।

गिल को कप्तानी पर काम करने की जरूरत

भारत ने यह सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, लेकिन कप्तान के तौर पर शुभमन गिल को बहुत काम करने की जरूरत है। गिल ने कई बार साधारण फैसले किए। उन्होंने सीरीज में कई बार मैच को हाथ से निकलने दिया। वह कई आउट ऑफ आइडिया दिखे। गिल की कप्तानी की सबसे बड़ी कमी रही चौथे गेंदबाज का इस्तेमाल न करने जिद। वह तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पर काफी निर्भर दिखे। अंग्रेज बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देकर हावी होने दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर गिल की यह पहली सीरीज थी। उन्हें वक्त के साथ इन कमियों पर काम करना होगा।

क्यों सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही: भारतीय टीम का दबदबा होने के बाद भी सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही क्योंकि अहम मौकों पर शुभमन गिल की टीम ने काफी साधारण प्रदर्शन किया। लीड्स टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी टीम हार गई। इस मैच में फील्डिंग ने निराश किया। 7 कैच टपकाकर बंटाधार हुआ। रही सही कसर दूसरी पारी में गेंदबाजी ने पूरी कर दी। 371 रन के लक्ष्य के जवाब में जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

लॉर्ड्स में दबाव नहीं झेल पाई भारतीय टीम: इसके बाद भारतीय को लॉर्ड्स में हार मिली। भारतीय टीम पहली पारी में बढ़त हसिल करने से चूक गई। पहली पारी में उसने 11 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए। 193 रन लक्ष्य के जवाब में वह दबाव नहीं झेल पाई। बेन स्टोक्स की करिशमाई गेंदबाजी के आगे टॉप ऑर्डर का कोई भी बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सका। रविंद्र जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन 22 रन से हार का समाना करना पड़ा।

यह कमी करनी होगी दूर: भारतीय टीम के पास विश्व क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है। इसके लिए उसे ऑलराउंडर्स के मोह से निकलना होगा। बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करना ठीक नहीं है। ऐसे एप्रोच से नतीजा यही होगा। भारतीय टीम को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए थे। वह लीड्स, एजबेस्टन और लॉर्ड्स में परिस्थितियों का फायदा उठा सकते थे। मैनचेस्टर में भी वह इंग्लैंड को बल्लेबाजों को परेशान करते। बल्लेबाजी में नंबर 3 कमजोरी है। साई सुदर्शन और करुण नायर प्रभावित नहीं कर पाए। इस कमजोरी को भी जल्द से जल्द दूर करना होगा।

नेशनल बैंक ओपनः

मबोको का सेमीफाइनल में सामना रिबाकिना से, ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर अंतिम-चार में

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

ज्वेरेव पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मबोको का सामना अब एलेना रिबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कज़ाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रिबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

प्रो पंजा लीगः 2025

सीजन 2 में नई टीम और शोकेस बाउट से बढ़ेगा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो पंजा लीग 2025 का दूसरा सत्र मंगलवार (5 अगस्त) से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। इससे पहले सोमवार (4 अगस्त) को जिवाजी क्लब में दूसरे सत्र की शुरुआत का ऐलान हुआ। सीजन 2 का रोमांच छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथौड्राजके जुड़ने से लीग का रोमांच और बढ़ेगा। इसके लिए 70 किलो वेट कैटेगरी में 2 शोकेश बाउट का भी ऐलान हुआ। आइए जानते हैं टूर्नामेंट के फॉर्मेट, वेन्यू, टीमें और लाइव स्ट्रीमिंग समेत अन्य जानकारी-

टूर्नामेंट के फॉर्मेट की बात करें तो एक वेट कैटेगरी में दो खिलाड़ियों के बीच बाउट्स होते हैं। इन बाउट्स में खिलाड़ियों को पिन हासिल करने यानी राउंड जीतने होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में बाउट्स तय वेट कैटेगरी में होते हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी अलग श्रेणी है। लीग प्रारूप के बाद सेमीफाइनल होगा। फिर फाइनल में विजेता तया होगा।

प्रो पंजा लीग 2025 में 5 अगस्त से 21 के बीच 17 दिन में 30 मैच होंगे। 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। विजेताओं का मुकाबला फाइनल में होगा।

'मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है', ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद मोहम्मद सिराज हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। मोहम्मद सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

मुझे जस्सी भाई की याद आती हैः सिराज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है, क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह और खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए। उन्होंने सोमवार सुबह के सत्र में जो भी गेंदें फेंकी उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकता भावनाएंः सिराज

मोहम्मद सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' मोहम्मद सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता और विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी।

38 साल के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गैर-चिकित्सीय कारणों के चलते टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कमर की चोट का हवाला देते हुए टोरंटो में कैनेडियन मास्टर्स से हटने का फैसला किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से भी बाहर रहने का फैसला किया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, तीन बार के चैंपियन का एटीपी मास्टर्स 1000 में 45-12 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है। इस आयोजन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में, उन्होंने 2023 के एक शानदार फाइनल में कार्लोस अल्काराज को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से हराकर जीत हासिल की थी। जोकोविच का इस सीजन में रिकॉर्ड 26-9 है, इसी साल उन्होंने मई में जिनेवा में

अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से उन्होंने सिर्फ दो इवेंट खेले हैं।

वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन दोनों ही मेजर टूर्नामेंट में जैनिक सिनर से हार गए। जोकोविच का अगला मुकाबला यूएस ओपन में होगा, जहां मुख्य ड्रॉ मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जो पुरुष और महिला एकल में मिलाकर एक सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित करेगा, और महिला वर्ग में मार्गरेट कोर्ट के वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा। इस बीच, जैनिक सिनर सिनसिनाटी ओपन पहुंच गए हैं, जहां उनका लक्ष्य ओहायो में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने खिताब का बचाव करना होगा। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी 2025 में अपनी पहली मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश में हैं। इस आयोजन में सिनर के साथ अलेक्जेंडर ज्वेरेव, टेलर फ्रिट्ज और कार्लोस अल्काराज भी शामिल होंगे, जो विंबलडन फाइनल में सिनर से हार गए थे। सिनसिनाटी ओपन गुरुवार से शुरू हो रहा है और 2025 में एक बड़े बदलाव से गुजरा है। यह अब दो हफ्ते का, 96 खिलाड़ियों वाला इवेंट बन गया है, जो 260 मिलियन अमेरिकी डॉलर के कैंपस नवीनीकरण के साथ हो रहा है। इस विस्तार का मकसद नए कोर्ट जोड़कर खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के अनुभव को बेहतर बनाना है। फाइनल 18 अगस्त को खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इछावर सिविल अस्पताल एनक्यूएएस प्रमाणित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) की टीम द्वारा सीहोर जिले के इछावर सिविल अस्पताल को 92.27 अंको के साथ एनक्यूएएस प्रमाणित किया गया है। उल्लेखनीय है कि एनएचएसआरसी की टीम द्वारा एनक्यूएएस प्रमाणन के लिए इछावर सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान टीम द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित सेवाओं एवं संपूर्ण केंद्रों की मानक जांच की गई थी।

कुपोषण की सही माप हेतु महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं शौर्या दल को दिया गया प्रशिक्षण

रायसेन (निप्र)। कुपोषण की सही माप हेतु विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों एवं शौर्या दल मास्टर्स ट्रेनर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण ज़िला स्तर पर कामधेनु परिसर में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में जिले के समस्त परियोजना अधिकारी, समस्त सेक्टर सुपरवाइजर, समस्त डीसी/बीसी एवं जिले में शौर्या दल अंतर्गत बनाए गए मास्टर्स ट्रेनर्स उपस्थित रहे। उक्त प्रशिक्षण में संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश से मास्टर्स ट्रेनर्स श्री तारकेश्वर उपस्थित हुए जिनके द्वारा कुपोषण की सही माप के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में पोषण ट्रेकर एप, एमआईएस एप एवं संपर्क एप कि जानकारी आगनवाड़ी केंद्र/सेक्टर/परियोजनाएवं जिला स्तर के लॉगिन से जानकारी प्रदान की गई और समस्याओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्रजेश कुमार जैन द्वारा शौर्यादल के मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शौर्या दल द्वारा जिले मे किए जा रहे कार्यो के संबंध मे भी जानकारी प्रदान की गई। शौर्या दल जिले मे अच्छे से कार्य करे एवं उन्हें किसी तरह से कार्य करने में समस्या आती है तो वह मास्टर्स ट्रेनर्स से संपर्क कर सकते है और यदि वहा से भी समाधान नहीं हो रहा है तो संबंधित परियोजना अधिकारी से बात कर समस्याओं का समाधान करें। जिले से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर्स ट्रेनर्स सेक्टर स्तर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं शौर्यादलों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

कृषि विज्ञान केंद्र हरदा द्वारा वर्षा ऋतु में आहार संबंधी सुझाव

हरदा (निप्र)। कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक सुश्री जागृति बोरकर ने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिले के नागरिकों को आहार संबंधी सुझाव दिये है। सुश्री बोरकर ने सलाह दी है कि वर्षा ऋतु में आहार संबंधी कुछ बातों का ध्यान रखें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां के अंतर्गत अरबी के पत्ते, चिरोटिया, पोइ के पत्ते आदि का उपयोग करें। जड़ वाली सब्जियां, पत्ता गोभी एवं हरे पत्तेदार सब्जी आदि के उपयोग से परहेज करें, जहां तक संभव हो पानी उपचारित ही प्रयोग करें जिसमें इसे उबालना फिटकरी से साफ करना या क्लोरीन युक्त पानी का उपयोग शामिल है। इससे संचारित रोग के होने का खतरा कम हो जाता है। सुश्री बोरकर ने बताया कि संचारित रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बैक्टीरिया वायरस या परजीवी जैसे रोग जनको के कारण हो सकते हैं। दूषित भोजन एवं पानी का उपयोग भी संचारित रोगों का प्रमुख कारण है। वर्षा ऋतु में ठंडा भोज्य पदार्थों के स्थान पर गरम भोज्य पदार्थों का उपयोग करना चाहिए वही ठंडा पानी आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, सड़क के किनारे मिलने वाले खाद्य पदार्थ, खमीरीकृत खाद्य पदार्थ, तले हुए खाद्य पदार्थों का परहेज करना चाहिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने की लोकपथ ऐप, ब्लैक स्पॉट्स, अतिक्रमण की समीक्षा अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के राष्ट्रीय, राज्य मार्गों, प्रमुख सड़कों एवं नगरीय क्षेत्र के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि लोकपथ ऐप पर दर्ज शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उनका निराकरण सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने निर्देशित किया कि राष्ट्रीय और राज्य मार्गों सहित नगरों की प्रमुख सड़कों पर स्थित स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण को चिन्हित कर उन्हें हटाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

दुख तकलीफ की घड़ी है, ऑखों में आंसू मत लाना! सरकार इस संकट से बाहर निकालेगीः केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान

केन्द्रीय मंत्री ने सिलवानी सहित बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौरा, मूंग उपार्जन केन्द्र का भी किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री और क्षेत्रीय सांसद श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रविवार को रायसेन जिले के सिलवानी तहसील में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बम्होरी, पड़रिया जोड़, बरदहा बम्होरी जोड़, सांईखेड़ा और सिलवानी का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से फसलों, मकानों आदि को हुई क्षति का जायजा लिया। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने सांईखेड़ा में बाढ़ प्रभावित खेतों में पहुंचकर फसलों को हुई क्षति का भी जायजा लिया।

उन्होंने सांईखेड़ा और सिलवानी के वार्ड क्रमांक-01 में घरों में जाकर बाढ़ से हुए नुकसान को देखा। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने बाढ़ प्रभावितों से कहा कि यह दुख, तकलीफ की घड़ी है! माताएं-बहनें, किसान ऑखों में आंसू मत लाना, मुसीबत की इस घड़ी से सरकार बाहर निकालेगी। केन्द्र और प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावितों के साथ है उनकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि वह किसान हैं और किसानों के दर्द को भली-भांति जानते हैं। किसानों की सेवा उनके लिए भगवान की पूजा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुई क्षति का सर्वे कर आकलन किया जाएगा और सर्वे पूरा होने पर सूची पंचायत में लगाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे कार्य ईमानदारी से किया जाए! मकान गिर गए हैं, क्षतिग्रस्त हो गए हैं, सामान बह गया है या फसल खराब हुई है, जो नुकसान हुआ है वह पूरा लिखें।

इसके अलावा आरबीसी 6/4 के तहत भी राहत दिलवाई जाए। साथ ही जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है उन्हें फसल बीमा योजना के तहत भी राशि दिलवाई जाएगी। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि क्षेत्र में खाद की शिकायत प्राप्त होने पर अकेले सिलवानी के लिए 600 मीट्रिक टन खाद का आवंटन कराया है जिससे कि जहां जरूरत हो वहां किसानों को सरलता से खाद मिले। साथ ही पूरे रायसेन जिले के लिए 2500 मीट्रिक टन खाद का आवंटन कराया गया है। जिले में कहीं भी नकली खाद बेची जाती है तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी की जा रही है। उपार्जन केन्द्रों पर केवल किसानों की मूंग ही खरीदी जाए। कुछ जगह सर्वेयर की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, इसकी जांच कराई जाएगी। मूंग उपार्जन कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप कराया जाए। इस दौरान पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, श्री राकेश शर्मा और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बम्होरी में मूंग उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने बम्होरी में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां मूंग विक्रय हेतु आए किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं तथा उपार्जन कार्य की जानकारी ली। केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्र प्रभारी और अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि मूंग उपार्जन कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से हो। किसानों को मूंग विक्रय के लिए अधिक इंतजार ना करना पड़े। मूंग उपार्जन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कस्टम हायरिंग योजना से बदली किसान की किस्मत, धरम सिंह ने खड़ी की 45 लाख की संपत्ति

बैतूल (निप्र)। कृषि यांत्रिकीकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ यदि सही दिशा में लिया जाए तो खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का रास्ता भी बन सकती है। बैतूल जिले के डेरी आमढाना गांव के प्रगतिशील कृषक श्री धरम सिंह इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जिन्होंने कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ उठाकर खेती को एक लाभकारी व्यवसाय में बदल दिया है। कृषक श्री धरम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में उन्होंने सहायक कृषि यंत्री कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय बैतूल की मदद से कस्टम हायरिंग सेंटर खरीदा। इस योजना के तहत उन्हें यंत्र की खरीद पर अनुदान भी प्राप्त हुआ। कस्टम हायरिंग के माध्यम से उन्होंने न केवल स्वयं की खेती को आधुनिक बनाया, बल्कि अन्य किसानों को भी किराए पर यंत्र उपलब्ध कराकर आय का एक नया स्रोत बनाया। उन्होंने बताया कि इस योजना से खेती में काफी लाभ हुआ। शुरूआती दिनों में ही मेरी आमदनी में बड़ा इजाफा हुआ और धीरे-धीरे मैंने तीन ट्रैक्टर, एक थ्रेशर और पक्का मकान बना लिया। आज मेरी कुल संपत्ति लगभग 45 लाख रुपये की हो चुकी है।

पैडी राइस ट्रांसप्लांटर की खरीदी पर मिला अनुदान

कृषक श्री सिंह ने बताया कि उन्होंने धान की रोपाई को आसान और लागत प्रभावी बनाने के लिए पैडी राइस ट्रांसप्लांटर भी खरीदा है, जिस पर भी उन्हें सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ। पारंपरिक रोपाई विधि में प्रति एकड़ 4 से 5 मजदूरों की जरूरत होती है, जिससे 3 से 5 हजार रुपये तक की लागत आती है। इसके विपरीत यह यंत्र एक दिन में 5 से 7 एकड़ भूमि में रोपाई कर सकता है और इसकी ईंधन खपत भी मात्र 1 लीटर प्रति घंटे है। इससे श्रम लागत में भारी कमी आई है और समय की बचत भी हुई है। उन्होंने बताया कि आज उनके गांव सहित आसपास के कई किसान उनके यंत्रों का लाभ ले रहे हैं और आधुनिक कृषि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कृषक श्री धरम सिंह ने किसानों को सशक्त बनाने हेतु चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

अगस्त माह में अवकाश के दिनों में बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 09 अगस्त (रक्षाबंधन), 16 अगस्त (जन्माष्टमी), 27 अगस्त (गणेश चतुर्थी) समस्त शनिवार (02 अगस्त, 23 अगस्त, 30 अगस्त) एवं समस्त रविवार (03 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त, 31 अगस्त) को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे।

भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस (श्रश्रह्व) मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

ऑनलाइन भुगतान करें और पाएं छूट : मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी.ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

खरपतवारनाशी दवा से फसल प्रभावित कृषि विभाग की टीम ने किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। जिले के कई किसानों ने कृषि विभाग को शिकायत दी थी कि सोयाबीन की फसलों पर किए गए खरपतवारनाशी दवा के छिड़काव से फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इन शिकायतों की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने हेतु कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन के वैज्ञानिकों की एक संयुक्त टीम ने आज सोमवार 04 अगस्त को विकासखंड ग्यारसपुर के ग्राम खिरिया, अटारीखेजड़ा, संतापुर, गुलाबगंज, यूसूफगंज, बसिया गाजर एवं मेहंदेर आदि गांवों का भ्रमण किया। टीम ने कृषक श्री गोविंद दांगी (अटारीखेजड़ा), श्री धर्मसिंह (पिपरिया जागीर), श्रीराम दांगी (खिरिया), एवं श्री रविंद्र कुर्मी (यूसूफगंज) सहित अन्य किसानों के खेतों का निरीक्षण किया और प्रभावित फसलों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर किसानों से चर्चा की। निरीक्षण दल में सहायक संचालक कृषि श्रीमती अविना सिंह परिहार, कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन से डॉ. पी.के. द्विवेदी, कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री निशि जैन, श्री रविंद्र दांगी एवं श्री गोपाल बघेल सम्मिलित थे। निरीक्षण में पाया गया कि अधिकतर कृषकों द्वारा एच.पी.एम. केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, दिल्ली की बायोक्लोर नामक खरपतवारनाशी दवा का उपयोग किया गया था, जिसके दुष्प्रभाव से सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। कृषकों की शिकायतों और संयुक्त दल की रिपोर्ट के आधार पर इस खरपतवारनाशी दवा के क्रय, विक्रय, परिवहन एवं भंडारण पर जिले में तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निर्णय अनुज्ञापन अधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला विदिशा द्वारा लिया गया है। कृषि विभाग सभी कृषकों से अपील करता है कि किसी भी कृषि उपयोगी रसायन की खरीद करते समय विक्रेता से पक्का बिल अवश्य लें।

कलेक्टर के निर्देश पर वॉटरफॉल जाने वाले रास्तों पर लगाई गई है कर्मचारियों की ड्यूटी

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार बारिश के दौरान जिले के झरनों पर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए इन झरनों पर पर्यटकों को जाने से रोका जा रहा है। इसके लिए जिले के अमरगढ़ वाटरफॉल, दिगंबर वाटरफॉल एवं अन्य वॉटरफाल जाने वाले रास्तों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये कर्मचारी वॉटरफॉल जाने वाले रास्तों पर पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहे हैं और नागरिकों एवं पर्यटकों को वॉटरफॉल पर जाने से रोक रहे हैं ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके साथ ही एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों द्वारा इन स्थलों पर निरंतर भ्रमण भी किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बालागुरु के. ने वॉटरफॉल पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले के अमरगढ़ वॉटरफॉल, दिगंबर वॉटरफॉल तथा कालियादेव वॉटरफॉल पर 15 जून से 15 अक्टूबर 2025 तक पर्यटकों तथा आम नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित किया है।

शालेय खेलों में जोश और उमंग का संचार, हरदा विकासखंड में खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

हरदा (निप्र)। शालेय शिक्षा विभाग हरदा के तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय 14 वर्ष एवं 19 वर्ष बालक एवं बालिका वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ ब्लॉक समन्वयक स्रोत शिक्षा विभाग श्री नारायण नायरे, क्रीड़ा अधिकारी श्री रामनिवास जाट, व्यायाम शिक्षक श्री राजेश बिलिया, ब्लॉक समन्वयक सुश्री सलमा खान एवं मोनिका मेहता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की शुभकामनाएं देकर किया। प्रतियोगिता में हरदा विकासखंड के विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मसनगांव, सनफ्लॉवर स्कूल, संस्कार विद्यापीठ, द फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन, होलीफेथ स्कूल, महर्षि ज्ञानपीठ स्कूल, जोनर एजुकेशन स्कूल, हरदा ऑफ एजुकेशन, सनरेंज स्कूल एवं एसएसजीवी स्कूल से कुल 22 टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का संचालन निर्णायक श्री भूपेंद्र सिंह तोमर, श्री नितिन रामकुचे, श्री दर्शन खोरे एवं श्री तुलसी श्रीवास के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 14 वर्ष बालक वर्ग में महर्षि ज्ञानपीठ स्कूल ने प्रथम स्थान, फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन ने द्वितीय स्थान तथा जोनर एजुकेशन स्कूल व संस्कार विद्यापीठ ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 14 वर्ष बालिका वर्ग में द फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन ने प्रथम स्थान, सनफ्लॉवर स्कूल ने द्वितीय स्थान तथा संस्कार विद्यापीठ एवं जोनर एजुकेशन स्कूल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 19 वर्ष बालक वर्ग में द फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन ने प्रथम तथा महर्षि ज्ञानपीठ स्कूल ने द्वितीय स्थान तथा 19 वर्ष बालिका वर्ग में होलीफेथ स्कूल ने प्रथम, महर्षि ज्ञानपीठ स्कूल ने द्वितीय तथा जोनर एजुकेशन स्कूल व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मासनगांव ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कोच श्री आनंद तिवारी, अनीता मिश्रा, मालती कर्मा, वैशाली मंडलेकर, नारायण प्रसाद सहित सीनियर खिलाड़ी काजल मुकाती, तेजस्विनी ठाकुर, तनिष्का मालवीय, ऋषिका गार्गव आदि अपनी टीमों के साथ प्रतियोगिता में उपस्थित थे।

कलेक्टर के प्रयासों से शा.प्रा. शाला खोड़ेबोड़े को मिला नया भवन

हरदा (निप्र)। विगत माह कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा टिमरनी वनांचल क्षेत्र के ग्रामों के दौरे के दौरान ग्राम खोड़ेबोड़े के निवासियों ने शासकीय प्राथमिक शाला के भवन विहीन होने की समस्या से अवगत कराया था। इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर श्री जैन ने मौके पर ही राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के डायरेक्टर से दूरभाष पर चर्चा की और आवश्यक पत्राचार कर शीघ्र भवन स्वीकृति की मांग की। कलेक्टर श्री जैन के तत्पर प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल द्वारा आज शा.प्रा. शाला खोड़ेबोड़े हेतु नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह निर्णय ग्रामवासियों और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत सुखद एवं आशाजनक है। नवीन शाला भवन की स्वीकृति से ग्राम में शिक्षा सुविधाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। ग्रामवासियों ने इस त्वरित कार्यवाही और सकारात्मक पहल हेतु कलेक्टर श्री जैन का आभार व्यक्त किया है।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048